दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। गुरुवार 20 जून -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 251 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

14 फसलों की एमएसपी बढ़ाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। मोदी सरकार की कैबिनेट मीटिंग में आज किसानों को लेकर कई बड़े फैसले किए गए हैं, जिसमें सबसे अहम फसलों के समर्थन में मूल्य में इजाफा है। सरकार ने खरीफ की 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में आज बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कैबिनेट मीटिंग की ब्रीफिंग में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार ने खरीफ की जिन 14 फसलों के एमएसपी में इजाफा किया है, उसमें धान, रागी, बाजरा, ज्वार, कॉटन भी शामिल है।

मोदी सरकार ने फैसला किया है कि धान का नयाएमएसपी अब 2300 रुपये प्रति क्विंटल होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सरकार का यह फैसला किसानों के कल्याण के लिए लिया गया है। धान का नया एमएसपी पुराने से 117 रुपये ज्यादा है।

कपास का भी बढ़ा एमएसपी : इसके अलावा कपास का नया एमएसपी 7121 तय किया गया है। वहीं, कपास की दूसरी किस्म के लिए नया एमएसपी 7521 रुपये होगा, जो पहले से 501 रुपये ज्यादा है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा किसानों को प्राथमिकता देते हैं, इस सरकार ने अपने नए कार्यकाल में किसानों के हित में फैसला लिया गया है।

किस फसल का कितना बढ़ा एमएसपी : सरकार के फैसले के बाद ज्वार का एमएसपी 3371, धान का 2300, बाजरा का 3625, रागी का 4290, मक्का का 2225, तूर 7550, मूंग 8682, उड़द 7400, मूंगफली, 6783, सूरजमुखी 7280, सोयाबीन 4892, और तिल 9267 रुपये हो गया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नेफेड की बहुत अच्छी एप्प बनी है, जिसके माध्यम से किसानों को तलिहन बेचने में आसानी होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि देश में 2 लाख गोदाम बनाने का लक्ष्य तय किया गया है, उस मामले पर अब तेजी से काम किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि फर्टिलाइजर की कीमतें कम रखने के लिए बहुत काम किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में उर्वरकों की कीमत दुनिया के कई देशों के मुकाबले बेहद कम है, जो कि हमारे लिए राहत की बात है।

पिछले सीजन की तुलना में 35,000 करोड़ रुपये अधिक

खरीफ सीजन की फसलों के लिए एमएसपी पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ₹ आज के फैसले से किसानों को एमएसपी के रूप में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह पिछले सीजन की तुलना में 35,000 करोड़ रुपये अधिक है।₹

महाराष्ट्र के पालघर जिले में पोर्ट का अप्रूवल हो गया

महाराष्ट्र के वधावन में एक हर मौसम में काम आने वाला ग्रीनफील्ड डीप-ड्राफ्ट मेजर पोर्ट विकसित करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले पर अश्विनी वैष्णव ने कहा, ₹महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू में वधावन पोर्ट के लिए 76,200 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है।

इस पोर्ट की क्षमता 23 मिलियन टीयू होगी, इसकी क्षमता 298 मिलियन टन होगी।

क्या शांत हो गया विधायक नन्द किशोर गुर्जर का बड़े पुलिस अधिकारी से विवाद

तीन दिन से नहीं किया विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने कोई लैटर जारी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिले में एक ऐसा विवाद चल रहा था जिसकी गूंज लखनऊ के गलियारों तक पहुंची। शासन तक पहुंची। गृहमंत्रालय तक पहुंची और विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने लगातार जिले के एक बड़े पुलिस अधिकारी पर निशाना साधते हुए कई लैटर जारी किये। पुलिस सुरक्षा से उठा सवाल दूसरे राज्य में शरण लेने की बात तक पहुंचा। पोलिटिक्स करने के आरोपों तक पहुंचा और फिर ये कहा गया कि अगर बड़े पुलिस अधिकारी को नहीं हटाया गया तो एक्शन लिया जायेगा। एक बैठक भी चर्चा में रही और बैठक के बाद जारी हुआ प्रेस नोट भी चर्चा में रहा। लेकिन अब ये सवाल सियासी गलियारों से लेकर जनता के बीच है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि क्रान्तिकारी विधायक एकदम ही शांतिकारी हो गये। विधायक ने मोर्चा खोलने की बात कही थी और फिर विधायक शांत हो गये। कहने वाले यही कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है कि विधायक नन्द किशोर गुर्जर और जिले के बड़े पुलिस अधिकारी के बीच चल रहे विवाद का समाधान हो गया है। अगर समाधान नहीं होता तो विधायक की कमान से तीर जरूर निकलता। वो लैटर जरूर लिखते लेकिन ऐसा लग रहा है कि फ्लावर वालों के फायर में मामला कूल हो गया है और सीज फायर हो गया है। तीन दिन से विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने कोई लैटर जारी नहीं किया है। उन्होंने कोई बयान भी जारी नहीं किया है और वो पूरी तरह से खामोश हैं। लिहाजा सियासी गलियारों में यही संदेश है कि विवाद का समाधान हो गया है और इसी के चलते अब लैटर बम नहीं फूट रहे हैं।

विधायक ने वापस तो नहीं रख ली मयान में तलवार

करंट क्राइम। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं लेकिन इस बार उनकी खामोशी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। वो जिस तरह से खामोश हैं वो खामोशी ये संकेत दे रही है कि विधायक ने युद्ध का ऐलान करने के बाद तलवार वापस मयान में रख ली है। अब वो कोई बयान भी नहीं दे रहे और इस मुद्दे पर लैटर भी नहीं जारी किया। हो सकता है कि उनकी मुलाकात लखनऊ में किसी बड़े सियासी कक्ष में हो गई हो और फिर वो विपक्ष वाले अंदाज से पक्ष वाले अंदाज में आ गये हों। इस बात को वो सार्वजनिक नहीं कर रहे हो लेकिन अपनी तरफ से विवाद को शांत कर लिया हो।

24 घंटे में 30 से ज्यादा की मौत! क्या भीषण गर्मी के कारण बढ़ा आंकड़ा

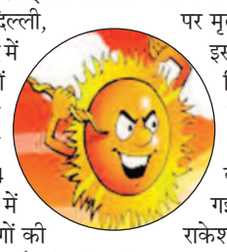

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बीते 24 घंटे के भीतर दिल्ली, नोएडा ,गाजियाबाद में बड़ी संख्या में लोगों की मौत की जानकारी निकाल कर आई है। बीते 24 घंटे में गाजियाबाद में ही लगभग 30 लोगों की मृत्यु होने का समाचार है। जिसमें कई लोग सड़क के किनारे, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और मुख्य मार्ग पर मृत अवस्था में पड़े मिले हैं। इसमें से लगभग 16 लोगों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उधर प्रशासन की ओर से अभी तक केवल 6 लोगों की मौत की पुष्टि गर्मी की वजह से की गई है। हालांकि सीएमओ राकेश गुप्ता ने बताया है कि जिला अस्पताल में जो शव आए हैं, पोस्टमार्टम होने के बाद ही मौत का सही कारण निकाल कर आएगा। उधर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संजय नगर संयुक्त अस्पताल में भी बड़ी संख्या में मोर्चरी में शव देखे गए हैं। उधर कहा जा रहा है जिस तरीके से बीते कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में बेतहाशा गर्मी पड़ी है, उसी का असर है कि लोगों की हीट वेव की वजह से मौत हो रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी इस तरह की कोई पुष्टि नहीं की गई है।

शिष्टाचार भेंट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के लखनऊ आवास पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा एवं मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने उनसे शिष्टाचार भेंट की।

सांसद बनते ही पहले सरकारी कार्यक्रम में अतुल गर्ग बने अति विशिष्ट अतिथि

यह समझा गया बेस्ट कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा रहेंगे चीफ गेस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इस बार योग दिवस पर एक अजब संयोग गाजियाबाद में बना है और वो ये है कि इस बार जिला प्रशासन द्वारा आयोजित होने वाले अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग रहेंगे और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा चीफ गेस्ट रहेंगे।

योग दिवस कार्यक्रम प्रति वर्ष आता है और इसे जिला प्रशासन ही आयोजित कराता है। यह कार्यक्रम शुक्रवार 21 जून को होना है। योग वाले इस कार्यक्रम के साथ संयोग ये है कि अतुल गर्ग के लोकसभा सांसद बनने के बाद उनकी लोकसभा में ये उनका पहला सरकारी कार्यक्रम है और अपने पहले सरकारी कार्यक्रम में अतुल गर्ग अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

खास बात ये भी है कि इस कार्यक्रम का आयोजक भले ही जिला प्रशासन है लेकिन इसके संयोजक ललित जायसवाल हैं। ललित जायसवाल चीफ डिफेस के चीफ वार्डन हैं। देखने वाले इसे किसी भी दृष्टि से देखें लेकिन जो लोग अतुल गर्ग को जानते हैं जो उनकी विचाराधारा को जानते हैं। वो इस बात को भी जानते हैं कि एक बड़ा संदेश अतुल गर्ग दे रहे हैं। उन्होंने चुनाव जीतते ही कहा था कि वो अपनी लोकसभा में पूरी विधानसभा को साथ लेकर चलेंगे और सबका साथ सबका विकास वाले सिद्धान्त को उन्होंने योग से जोड़ दिया है। पहले आप पहले आप वाले अंदाज में वो सम्मान और वरिष्ठता की परिपाटी लेकर आ गये हैं। सुनील शर्मा उनसे वरिष्ठ भाजपाई हैं वरिष्ठ विधायक हैं और अतुल गर्ग ने यहां एक सटीक संदेश दे दिया है। कहने वाले कह रहे हैं कि अबसे पहले ये होता था कि अगर सांसद के रूप में जनरल वीके सिंह आ रहे हैं तो फिर किसी और के चीफ गेस्ट होने का सवाल ही नहीं था। लेकिन इस बार सम्मान की परिपाटी बदल गई।

योग में एक संयोग आया और यहां योग का मंच पहली बार ऐसा होगा जब विधायक कैबिनेट मंत्री के रूप में चीफ गेस्ट होंगे और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग अति विशिष्ठ अतिथि होंगे। सूत्र बताते हैं कि इस कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा पूरी तरह से सोच समझकर तैयार की गई है। योग के साथ साथ एकता का संदेश दिया गया है। वरिष्ठता को सम्मान देने की परिपाटी का संदेश दिया गया है। इसे एक नए संदेश के साथ जब योग दिवस पर सब एक साथ होंगे तो कविनगर रामलीला मैदान इस बात की गवाही बनेगा कि अब लोकसभा में बहुत कुछ बदल गया है और बदलाव की शुरूआत लोकसभा में सांसद अतुल गर्ग ने खुद की है। एक नया संदेश देकर की है और वो संदेश ये है कि हम सांसद हो गये है तो भी विधानसभा का सम्मान बरकरार रहेगा। लोकसभा और विधानसभा में आपसी समन्वय और प्यार रहेगा।

पार्टी विद् डिफरेंस, नई भाजपा ने उस पहचान को खो दिया : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से एक बात तो पूरी तरह स्पष्ट है कि अकेले विकास के आधार पर चुनाव नहीं जीता जा सकता है। ये बात ठीक है कि विकास भी जरूरी है। लेकिन अकेला विकास भी जीत के लिए पर्याप्त नहीं है।

जब भाजपा नेतृत्व उत्तर प्रदेश में हार के कारणों की समीक्षा करेगा तो वह इस निष्कर्ष पर भी पहुंचेगा कि केवल कानून व्यवस्था भी अकेले जीत के लिए पर्याप्त नहीं है। कुल मिलाकर हार के कई कारण हैं। उनमें से चार पांच तो ऐसे हैं, अगर उनमें से किसी एक का भी समाधान हो गया होता तो जीत सुनिश्चित होती।

कई अवसरों पर गर्व के साथ कहा जाता रहा है, ये नई भाजपा है। लेकिन लोगों को पुरानी भाजपा पसंद है। भाजपा की सबसे बड़ी और सशक्त पहचान है - पार्टी विद ए डिफरेंस, नई भाजपा ने उस पहचान को खो दिया। अगर पहचान को उत्तर प्रदेश के संदर्भ में देखें तो एक समय में जनसंघ (भाजपा) पंडित दीनदयाल उपाध्याय की भाजपा के रूप में पहचानी जाती रही। फिर नाना जी देशमुख की जनसंघ, माधव प्रसाद त्रिपाठी की जनसंघ के रूप में जानी गई। उसके बाद कल्याण सिंह के नेतृत्व के साथ भाजपा ने अपनी पहचान बनाई। उसके बाद राजनाथ सिंह की भाजपा के रूप में जानी गई। इन सभी नेताओं के अपने कुछ न कुछ अलग-अलग अंदाज थे लेकिन मूल में कोई बड़ा बदलाव कभी अनुभव नहीं हुआ। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की भाजपा बंसल जी की भाजपा है। उन्हीं की रीति-नीति, उन्हीं की कार्य संस्कृति, वैभव, दबदबा, निजी पसंदगी-नापसंदगी बहुत महत्वपूर्ण हो गई। हृदय और भावनाओं से संचालित संगठन कब कॉरपोरेट संस्कृति में बदल गया, पता ही नहीं चला। आज प्रदेश में ऐसे कई पदाधिकारी हैं जिनके बारे में आम धारणा बहुत खराब है। लेकिन जो बॉस को पसंद है, वही सही है।

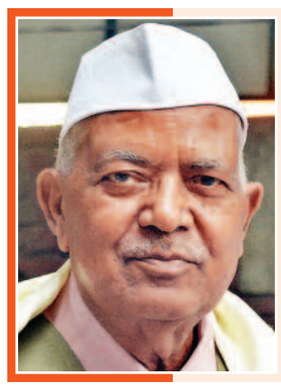

मोदी जी की लोकप्रियता का जैसा दोहन उत्तर प्रदेश में हुआ, वैसा दोहन सम्भवतः देश के किसी प्रदेश में नहीं हुआ होगा। संस्कार, संस्कृति, संगठन, चिंतन, समन्वय, सेवा और प्रतिबद्धता सब पीछे छूट गए। मोदी जी की लोकप्रियता से हुई जीत को अपना चुनाव प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता बताकर योग्य लोगों को किनारे करके अक्षम और अयोग्य नेतृत्व खड़ा कर दिया। सारे संगठन शिल्पी बन गए। देवतुल्य कार्यकर्ताओं जैसे बड़े-बड़े शब्दों से भरमाने के प्रयास शुरू हो गए।

अगर भाजपा को 2014- 2019 के स्तर पर लौटना है तो भाजपा को कई मोदी चाहिए जो सीना ठोक कर कह सकें कि न खाऊंगा न खाने दूंगा !!

मोदी जी की लोकप्रियता का जैसा दोहन उत्तर प्रदेश में हुआ, वैसा दोहन सम्भवतः देश के किसी प्रदेश में नहीं हुआ होगा। संस्कार, संस्कृति, संगठन, चिंतन, समन्वय, सेवा और प्रतिबद्धता सब पीछे छूट गए।

मोदी जी की लोकप्रियता से हुई जीत को अपना चुनाव प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता बताकर योग्य लोगों को किनारे करके अक्षम और अयोग्य नेतृत्व खड़ा कर दिया। सारे संगठन शिल्पी बन गए। देव तुल्य कार्यकर्ताओं जैसे बड़े-बड़े शब्दों से भरमाने के प्रयास शुरू हो गए।

आज प्रदेश में भाजपा अपने को अपने से दूर और कांग्रेस से (कांग्रेस संस्कृति के) निकट दिखाई देती है। और प्रदेश पदाधिकारी बसपा की संस्कृति के बहुत निकट दिखते हैं। अगर भाजपा को 2014-2019 के स्तर पर लौटना है तो भाजपा को कई मोदी चाहिए जो सीना ठोंक कर कह सकें कि न खाऊंगा न खाने दूंगा!! केवल कह ही न सकें बल्कि मोदी जी की तरह से जीकर दिखा सकें। अर्थात भाजपा को फिर अपने घर लौटना होगा। संस्कृति बदलेगी तो फिर सारी चीजें ठीक होने लगेंगी। चाल चरित्र और चेहरे की फिर चर्चा होने लगेगी।

इसी में से कार्यकर्ता और उसकी भूमिका बढ़ेगी। इस परिवर्तन की अनुभूति शासन-प्रशासन में भी अनुभव की जाने लगेगी। नई भाजपा होने के साइड इफेक्ट भी अपने आप से सुधरने लगेंगे।

भारत दुनिया के लिए शिक्षा और ज्ञान का केंद्र बने : पीएम मोदी

नालंदा की धरती विश्व बंधुत्व की भावना को नया आयाम दे सकती है

बिहारशरीफ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने सदियों तक निरंतरता को एक मॉडल के रूप में जीकर दिखाया है। अपने उन्हीं अनुभवों के आधार पर भारत ने विश्व को 'मिशन लाइफ' जैसा मानवीय विजन दिया है।

उन्होंने कहा कि हम प्रगति और पर्यावरण को एक साथ लेकर चले हैं। मेरा मिशन है कि भारत की पहचान फिर से दुनिया के सबसे प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में बने। आज पूरी दुनिया की दृष्टि भारत पर है, भारत के युवाओं पर है, दुनिया बुद्ध के इस देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहती है। नालंदा की धरती विश्व बंधुत्व की भावना को नया आयाम दे सकती है, इसलिए नालंदा के विद्यार्थियों का दायित्व और ज्यादा बड़ा है। आप भारत और पूरे विश्व के भविष्य हैं।

उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। आज भारत में योग की सैकड़ों विधाएं मौजूद हैं। इसके लिए हमारे ऋषियों ने कितना गहन शोध किया होगा। लेकिन, किसी ने योग पर एकाधिकार नहीं बनाया।

आज पूरा विश्व योग को अपना रहा है, योग दिवस एक वैश्विक उत्सव बन गया है। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में बच्चों का एडमिशन, उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देखकर नहीं होता था। यहां हर देश, हर वर्ग के युवा आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए कैंपस में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से मजबूती देनी है। उन्होंने कहा कि यहां दुनिया के कई देशों से छात्र आने लगे हैं। यहां नालंदा में 20 से ज्यादा देशों के छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। ये वसुधैव कुटुंबकम की भावना का कितना सुंदर प्रतीक है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष भी देखे और उसके इतिहास की जानकारी प्राप्त की।

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार बिहार दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी राजगीर स्थित अंतर्राष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे और नए परिसर का उद्घाटन किया। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी उपस्थित रहे।

डासना जेल के बंदी की सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। डासना जेल के एक बंदी की सरकारी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मजिस्ट्रेट की देखरेख में शव पोस्टमार्टम को भेजा। जानकारी के अनुसार लोहिया नगर स्थित राजा कार बाजार के मालिक से लाखों रुपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला 2022 में सामने आया था। राजा कार बाजार के मालिक द्वारा इस मामले में संपूर्ण उर्फ काले अनेजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस द्वारा जांच पड़ताल के उपरांत मामला सही पाया गया था। पुलिस ने अनेजा को गिरफ्तार कर 22 सितंबर 2022 को जेल भेजा। डासना की जेल में बंद काले अनेजा की तबीयत खराब चल रही थी और 15 दिन से जेल अस्पताल में एडमिट था। वहीं बीती रात्रि तबीयत खराब होने के चलते उसे गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मौत होने का मामला सामने आया है। जेल अधीक्षक आलोक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बंदी को शुगर अधिक होने पर इंसुलिन दिये जा रहे थे। बीती रात्रि करीब 3:50 पर बंदी की तबीयत खराब होने के चलते उसे जेल एंबुलेंस और बंदीरक्षकों के साथ सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां सुबह करीब 5:40 पर बंदीरक्षकों द्वारा सूचना दी गई कि इलाज के दौरान बंदी काले अनेजा की मौत हो गई है। इस मामले में उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए परिवार को भी सूचित किया गया है। मृतक बंदी द्वारा पेट दर्द और उल्टी होने और सीने में दर्द की शिकायत की गई थी जिसके चलते उसे अस्पताल भर्ती कराया गया था। मजिस्ट्रेट की देखरेख में बंदी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

न्यूज डायरी

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि जिले के रफीयाबाद इलाके के हादीपोरा गांव में आज सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। अभी मारे गए दोनों आतंकवादियों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस और सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि इलाके में आतंकवादी छिपे हुए हैं। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया था। अधिकारियों ने कहा, जब सुरक्षाबलों की टीम छिपे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंची तो उन्होंने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। परिणाम स्वरूप वहां मुठभेड़ शुरू हो गई जिसमें दो आतंकवादी मारे गये हैं। अधिकारियों के अनुसार, मुठभेड़ अब भी जारी है। हाल के दिनों में पूरे जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनमें कई आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया गया है।

'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' के बजट के लिए वित्त मंत्री ने विशेषज्ञों से किया संवाद

भोपाल, 19 जून (आईएएनएस)। मध्य प्रदेश में जुलाई माह में विधानसभा का बजट सत्र होने वाला है। इसको लेकर सरकार 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' का बजट लाने की तैयारी में है। इसके लिए विभिन्न विशेषज्ञों की राय ली जा रही है। बुधवार को राजधानी भोपाल स्थित प्रशासनिक अकादमी में 'संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विभिन्न विशेषज्ञों से बातचीत की और उनके सुझाव सुने। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' के बजट 2024-25 हेतु प्रशासन अकादमी भोपाल में आयोजित 'संवाद' कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विभिन्न क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों के साथ प्रदेश के बजट को बेहतर और जनोपयोगी बनाने को लेकर संवाद किया एवं विचारों का आदान-प्रदान किया। वित्त विभाग द्वारा कई नवाचार किए जा रहे हैं।

दुकान के किराये को लेकर विवाद, दिव्यांग की शिकायत पर तीन नामजद

मोदीनगर, करंट क्राइम। एक विकलांग व्यक्ति की दुकान का किराया रिश्तेदारों द्वारा वसूले जाने को लेकर विवाद सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति की तहरीर पर पुलिस ने महिला सहित तीन के खिलाफ मारपीट करने व धमकी दिये जाने का मामला दर्ज किया है। सुचेतापुरी निवासी अमित कुमार विकलांग है। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि उनकी पालिका काम्पलैक्स में दुकान है जिसे उन्होंने केशव राणा नामक युवक को किराये पर दे रखी है। आरोप है कि उस दुकान का किराया उसके चाचा चाची हड़प किये जा रहे हैं। जब इसका विरोध किया तो उन्होंने मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी तक दे डाली। मामला पुलिस के समक्ष पहुंचा। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित अमित कुमार की ओर से चाचा धमेंद्र शर्मा, मंजू शर्मा व आशुतोष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

प्रेमी संग फरार युवती पुलिस ने की बरामद

मोदीनगर, करंट क्राइम। प्रेम प्रसंग के चलते एक पखवाड़े पूर्व मुस्लिम समुदाय की युवती दूसरे सम्प्रदाय के युवक के साथ फरार हो गयी। अलग-अलग सम्प्रदाय से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस टीम ने युवती को बरामद कर लिया। परिजनों की मौजूदगी में युवती ने प्रेमी संग रहने की जिद पकड़ रखी है। बाद में पुलिस ने बरामद युवती के बयान दर्ज कर कोर्ट में पेश कर दिया। गत 14 जून को गांव बिशोखर से एक बालिग युवती गायब हो गयी। परिजनों ने पड़ोस के ही दूसरे सम्प्रदाय के युवक शिवम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। मामला दो अलग-अलग समुदाय से जुड़ा होने के कारण पुलिस मुस्तैद रही, और गायब प्रेमी युगल की तलाश में जुटी रही। मोबाइल फोन की कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने युवती को ढूंढ निकाला। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन थाने पहुंच गये और युवती से बातचीत कर उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन युवती प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी रही। युवती ने पुलिस को जानकारी दी कि उसने धर्म परिवर्तन कर शादी रचा ली है। पुलिस ने उसके बयान दर्ज कर युवती को कोर्ट में पेश कर दिया। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

श्री खाटू श्याम मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव प्रारंभ

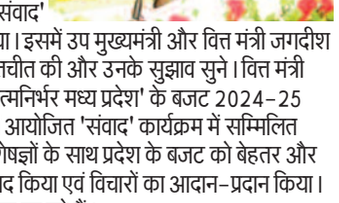

मोदीनगर, करंट क्राइम। निर्जला एकादशी के प्रथम दिन खाटू श्याम मंदिर प्रांगण में ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी का संकीर्तन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। संकीर्तन में दिल्ली से पधारे भजन गायकों चमन लाल गर्ग व मोहित शर्मा ने अपने भजनों के माध्यम से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। एकादशी के पावन पर पर बाबा श्याम को कोलकाता एवं जयपुर के फूलों से सजाया गया, बाबा के श्रृंगार को देखकर भक्तजन प्रफुल्लित हो गये। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के सभी सदस्य मौजूद रहे।

ससुराल आए युवक को बेहरमी से पीटा

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र की गंगा विहार कॉलोनी में ससुराल में आए एक युवक की बेहरमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने इस संबंध थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगर की ब्रज विहार कॉलोनी निवासी गौरव कुमार की शादी गंगा विहार कॉलोनी निवासी युवती के साथ हुई थी। गौरव ने बताया कि पत्नी झगड़ा करके अपने मायके चली गई। बुधवार सुबह गौरव थाने पहुंचे और पुलिसकर्मियों से कहा कि वह अपनी पत्नी को लेने के लिए जा रहा है। वहां पर मेरे पर हमला भी हो सकता है। पुलिस को सूचना देने के बाद वह अपनी ससुराल गंगा विहार कॉलोनी चला गया। वहां पर किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट हो गई। ससुरालियों ने गौरव की बेहरमी से पिटाई कर दी। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर थाने पहुंचा और तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छगन भुजबल का अब शिवसेना से कोई रिश्ता नहीं : संजय राउत

मुंबई। सियासी गलियारों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का बड़ा ओबीसी चेहरा और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल के उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) में शामिल होने की चर्चा इन दिनों जोरशोर से चल रही है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने साफ किया है कि इस बारे में कोई बातचीत नहीं हो रही है और भुजबल का अब शिवसेना से कोई रिश्ता नहीं है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा थी कि छगन भुजबल अजित पवार से नाराज चल रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वह अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राज्यसभा उम्मीदवार बनाये जाने को लेकर नाराज हैं। भुजबल राज्यसभा सीट के लिए प्रयास कर रहे थे। उनकी सियासी दिलचस्पी राज्यसभा का सदस्य बनकर केंद्र सरकार में मंत्री बनने में थी। इन्हीं चर्चाओं के बीच छगन भुजबल की शिवसेना (यूबीटी) के एक वरिष्ठ नेता से मुलाकात की खबर है। इस बाबत जब शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पूछा गया तो उन्होंने बेहद सधे हुए अंदाज में कहा कि छगन भुजबल कभी शिवसेना में थे, फिर कांग्रेस में रहे और अब अजित पवार गुट की एनसीपी में हैं। अब उनका शिवसेना से कोई रिश्ता नहीं है। हमारे बीच कोई चर्चा नहीं। हम गलत माहौल नहीं बनाना चाहते। दिल्ली में महाराष्ट्र भाजपा कोर कमेटी की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें करने दीजिए। यह उनकी पार्टी का मामला है। वे डबल इंजन थे फिर ट्रिपल इंजन हुए, फिर उन्होंने राज ठाकरे से एक और इंजन जोड़वाया। उन्हें वोट का गणित करने दीजिए। उनके कई ऑडिटर हैं। हम हर कीमत पर विधानसभा चुनाव जीतने जा रहे हैं। उन्हें अपनी सरकार में और अधिक इंजन जोड़ने दीजिए, जनता सही समय पर माकूल जवाब देना जानती है। लोकसभा स्पीकर पद के चुनाव को लेकर उन्होंने कहा, ₹मैं क्या कह सकता हूं? अगर हमें स्पीकर पद के लिए प्रस्ताव मिलता है तो 'इंडिया' ब्लॉक एक साथ बैठकर चर्चा करेगा। हमारे नेता चर्चा करेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कहा है कि हम चुप नहीं बैठेंगे, केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। जब मौका मिलेगा हम मोदी सरकार को गिरा देंगे।

श्रीलंका के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए सरकार के गठन के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर गुरुवार को कोलंबो जाएंगे जो भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति के अनुरूप है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि श्रीलंका यात्रा पर विदेश मंत्री साझेदारी के व्यापक मुद्दों पर द्वीप राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकें करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है, यह यात्रा श्रीलंका के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, क्योंकि यह हमारा सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला मित्र है। यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में कनेक्टिविटी परियोजनाओं और अन्य पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को गति प्रदान करेगी। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने रविवार को कहा था कि अधिशेष नवीकरणीय ऊर्जा की भारत को बिक्री के बारे में बातचीत चल रही है। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया विभाग ने एक बयान में कहा, श्रीलंका और भारत के बीच बिजली लाइन कनेक्शन स्थापित करने के लिए वर्तमान में एक व्यवहार्यता अध्ययन किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री की आगामी श्रीलंका यात्रा के दौरान इस पर आगे चर्चा की उम्मीद है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका और भारत के बीच जमीनी कनेक्शन के लिए एक प्रारंभिक व्यवहार्यता अध्ययन पूरा हो चुका है। निकट भविष्य में एक पूर्ण व्यवहार्यता अध्ययन किया जाएगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आये थे। उस समय उन्होंने भारतीय निवेश के साथ श्रीलंका में शुरू की गई विकास परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी के लिए जयशंकर की आगामी श्रीलंका यात्रा पर चर्चा की। श्रीलंकाई राष्ट्रपति के मीडिया विभाग ने 10 जून को एक बयान में कहा था, भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति पर भी चर्चा हुई। मंत्री जयशंकर ने त्रिंकोमाली में एक औद्योगिक क्षेत्र की योजना पर प्रकाश डाला, जिसे भारत सरकार द्वारा स्थापित किया जाएगा।

नीट में कथित अनियमितताओं का देशभर में विरोध करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में हुई कथित अनियमितताओं के खिलाफ शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता देशभर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस संबंध में बुधवार को कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने देशभर के पार्टी नेताओं को एक पत्र लिखा है। इसमें विभिन्न राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों से कहा गया है कि इस संबंध में न्याय की मांग करते हुए शुक्रवार को राज्य मुख्यालयों पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करें। केसी. वेणुगोपाल ने सभी पीसीसी अध्यक्षों, सीएलपी नेताओं, सभी एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों, फ्रंटल संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों के प्रमुखों और एआईसीसी सचिवों को विरोध प्रदर्शन के लिए लिखा है। वेणुगोपाल ने कांग्रेस नेताओं से कहा कि नीट यूजी 2024 के आयोजन और परिणामों के संबंध में कई शिकायतों और चिंताओं को दूर करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 4 जून को एनईईटी-यूजी 2024 के परिणाम जारी किए थे। कुछ उम्मीदवारों के बढ़े हुए अंकों के बाद अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों के कारण ये परिणाम खराब हो गए हैं। बढ़े हुए अंकों और अनियमितताओं पर महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। कार्यप्रणाली का खुलासा किए बिना अनुग्रह अंक प्रदान करना संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि नीट के कुछ परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी गड़बड़ियों, कदाचार और अनुचित साधनों से परीक्षा प्रभावित रही है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो लुटेरे घायल

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में शहजादपुर मार्ग पर बदमाशों व पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। पकड़े गए बदमाशों ने सोमवार रात को दिल्ली मेरठ मार्ग पर दो व्यापारियों से नकदी लूटी और सवा माह पहले पाइपलाइन मार्ग पर महिला से जेवरात लूटे थे। पुलिस ने बदमाशों के पास से तमंचा ,बाइक वह लूटी गई नकदी व सोने की चेन बरामद की है। एसीपी मसूरी सर्किल नरेश कुमार ने बताया कि मंगलवार रात को सूचना मिली कि रावली मार्ग पर टेलीफोन एक्सचेंज से शहजादपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर बदमाश किसी वारदात करने के इरादे से घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश सोलंकी ने चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी बीच मुरादनगर शहजादपुर बम्बे पटरी मार्ग पर बाइक पर बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों बदमाशों को रुकने का इशारा किया,लेकिन वह भागने लगे। इसी बीच उनकी बाइक फिसल गई और वह गिर गए। अपने को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जबावी फायरिंग की। दोनों और से कई राउंड फायरिंग हुई। पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

पूछताछ में बदमाशों ने अपने नाम फैसल निवासी कोट मोहल्ला व रिहान निवासी मलिक नगर कॉलोनी बताया। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि सोमवार को दिल्ली मेरठ मार्ग पर डॉ.भीमराव अम्बेड़कर पार्क के सामने दो लोगों से पांच हजार रुपए की नकदी लूटी थी। इसके अलावा सवा माह पहले पाइपलाइन मार्ग पर स्कूटी सवार महिला से जेवरात लूटे थे। महिला का मंगलसूत्र कहीं गिर गया था और सोने की चेन ईद पर पहनने के लिए रखी थी। फैसल पर आठ व रिहान पर चार अपाराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बदमाशों के पास दो तमंचे ,लूटी गई सोने की चेन ,27 सौ रुपए व बाइक बरामद की है।

कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु में पानी के शुल्क में वृद्धि के दिए संकेत

बेंगलुरू। हाल ही में कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी के बाद अब कांग्रेस सरकार बेंगलुरू में पानी पर शुल्क बढ़ाने पर विचार कर रही है। पानी पर शुल्क बढ़ाने की ओर इशारा करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि पिछले 10 सालों से पानी के शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है और इसकी समीक्षा के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अधिकारियों से इस मुद्दे की जांच करने को कहा है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "बेंगलुरु में पानी पर 10 साल से शुल्क हीं बढ़ाया गया है और हमें बहुत नुकसान हो रहा है। हमने नई परियोजनाएं शुरू की हैं और कोई भी बैंक बेंगलुरू जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड को वित्तपोषित करने के लिए आगे नहीं आ रहा है।" उपमुख्यमंत्री ने कहा, "कावेरी परियोजना का पांचवां चरण पूरा होने जा रहा है और 10 से 15 दिनों में मैं इस संबंध में बीडब्ल्यूएसएसबी का काम पूरा करना सुनिश्चित करूंगा। पानी के बिल का 70 प्रतिशत हिस्सा बिजली बिल और लेबर चार्ज से आता है। हर साल हमें बड़ा नुकसान हो रहा है, हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। मैं संभावनाओं पर काम कर रहा हूं और कंपनी (बीडब्ल्यूएसएसबी) को स्थिर करने के तरीके पर चर्चा कर रहा हूं।" उन्होंने कहा, वित्तपोषण समिति, विश्व बैंक और अन्य लोग भी हमसे कह रहे हैं कि हम इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं और इसे बराबरी के स्तर पर लाने की कोशिश भी नहीं कर रहे हैं। विभिन्न अधिकारी और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग कर्मचारी यही संदेश दे रहे हैं। आगे कहा, "हमें जल वितरण प्रणाली का विस्तार करना है। मैंने अब बेंगलुरु के लिए छह टीएमसी अधिक पानी आवंटित किया है। हमें बेंगलुरु को पानी उपलब्ध कराने के लिए एक और चरण का काम शुरू करना है। जब तक हम उन्हें यह नहीं दिखा देते कि बीडब्ल्यूएसएसबी एक स्वतंत्र कंपनी है और एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करती है, तब तक कोई विकल्प नहीं है।" जल शुल्क में यह बढ़ोतरी कब की जाएगी, इस पर शिवकुमार ने कहा कि मैंने अपने अधिकारियों से इस मुद्दे की जांच करने को कहा है। आखिरकार, हम इसे पब्लिक डोमेन में रखेंगे और फिर हम कोई निर्णय लेंगे।

भाजपा को मजबूत करेंगे, कांग्रेस में लोगों की होती है अनदेखी : श्रुति चौधरी

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा के कुनबे में बढ़ोतरी हुई है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता किरण चौधरी ने बुधवार को अपनी बेटी श्रुति चौधरी के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा में शामिल होने के बाद आईएएनएस ने श्रुति चौधरी के खास बातचीत की। आईएएनएस से बात करते हुए श्रुति चौधरी ने कहा कि चौधरी बंसी लाल अपने आप में एक मिसाल रहे हैं। उनका जिक्र हाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महेंद्रगढ़ में आयोजित एक रैली में की थी। यह हमारा सौभाग्य है कि उन्होंने जनता के हित में काम किया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तारीफ करते हुए श्रुति चौधरी ने कहा कि हमें उनका मार्गदर्शन मिलता रहा है और उन्होंने भी जनता के हित में काम किया है। हम सब मिलकर भाजपा को मजबूत करने का काम करेंगे। कुमारी शैलजा ने कहा था कि हरियाणा में टिकट का बंटवारा सही नहीं हुआ, क्या आप भी टिकट नहीं मिलने से नाराज थी जिसकी वजह से पार्टी छोड़ने का फैसला किया। इस सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि अब ये बातें बहुत पुरानी हो गई हैं। मैं भाजपा में इसलिए आई हूं ताकि लोगों की अनदेखी न हो सके और हम कामयाब हो सकें, लोगों का काम कर सकें। किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने बुधवार को अपने समर्थकों के साथ नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा का दामन थाम लिया। किरण चौधरी हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल की बहू हैं, वर्तमान में वह तोशाम से विधायक हैं। वहीं, उनकी बेटी श्रुति चौधरी सांसद रह चुकी हैं और हरियाणा कांग्रेस इकाई की कार्यकारी अध्यक्ष थीं। किरण चौधरी और श्रुति चौधरी ने मंगलवार को ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

राहुल गांधी सपनों की दुनिया से बाहर आएं : हुकुमदेव नारायण

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हुकुमदेव नारायण यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। राहुल गांधी ने दावा किया है कि केंद्र की मोदी सरकार जल्द ही गिर जाएगी। हुकुमदेव नारायण यादव ने कहा कि राहुल गांधी सपनों की दुनिया से बाहर आएं। हरियाणा सरकार की पूर्व मंत्री किरण चौधरी और उनकी पुत्री श्रुति चौधरी के भाजपा ज्वाइन करने पर यादव ने कहा कि दोनों का भाजपा विचार परिवार में अभिनंदन है। वह सालों से उनके सौम्य स्वभाव से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई से कौन वाकिफ नहीं कि किरण चौधरी के ससुर चौधरी बंसी लाल एक कद्दावर नेता थे और भाजपा के सहयोग से ही वो हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे। हुकुमदेव नारायण यादव बुधवार को रेवाड़ी में भाजपा के वरिष्ठ नेता और हरियाणा ट्यूरिज्म के चेयरमैन डॉ. अरविंद यादव के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथी शिरकत करने पहुंचे थे। इस मौके पर डॉ. अरविंद यादव ने कहा कि यह कार्यालय अरविंद यादव का नहीं बल्कि सभी भाजपा कार्यकताओं का है। इस कार्यालय से भाजपा के सिद्धांत और राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाया जाएगा। हरियाणा में दो तिहाई बहुमत प्राप्त करने के लिए हम सभी कार्यकताओं को अभी से जुटना होगा।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने दोनों पुत्रों भारत कुमार पाल व दीपक कुमार पाल को उनके गलत व्यवहार के कारण अपनी चल -अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी नैतिक अनैतिक कार्यों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

प्रार्थी
रामनरेश पाल पुत्र प्यारेलाल
निवासी -मकान नंबर डी-349, गली नंबर-11,राजीव नगर, 30 फुटा रोड ,भोपुरा, जिला- गाजियाबाद

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली ।। गुरुवार 20 जून-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

लोकसभा की समीक्षा बैठक में निकल कर आई कार्यकर्ताओं के मन की बात

पहले मुरादनगर, फिर शहर, फिर साहिबाबाद, लोनी और मोदीनगर वालों ने रखे विचार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा चुनाव गाजियाबाद में भाजपा ने जीत लिया है और यहां पर गाजियाबाद के भाजपा सांसद को देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ज्यादा वोटों से जीत मिली है। वोट प्रतिशत कम है तो वोट मार्जिन भी कम है और वोट मार्जिन क्यों कम है इसको लेकर समीक्षा बैठक हुई। विधायक श्याम सुंदर लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा करने के लिए गाजियाबाद आये। जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष, लोकसभा प्रभारी विधानसभा प्रभारी, संयोजक, मंडल पदाधिकारी मौजूद थे। लोकसभा की समीक्षा बैठक जब शुरू हुई तो यहां पदाधिकारियों और कार्यकताओं के मन की बात निकल कर सामने आयी। सभी ने अपने अपने दृष्टिकोण को साझा किया। कम वोट की वजह बताई। मुख्य रूप से पदाधिकारियों और कार्यकताओं के निशाने पर बिजली विभाग के अवर अभियन्ता, पुलिस के दरोगा, तहसील के पटवारी की कार्यकताओं से बदजुबानी रही। इसके अलावा कुछ योजनाओं को लेकर भी अपने विचार रखे। ये भी बताया कि बूथ पर डाटा कुछ और है हकीकत कुछ और है। इसके चलते भी वोट प्रतिशत कम नजर आया है। पानी की समस्या से लेकर वोट विभाजन पर सभी ने अपनी राय रखी। समीक्षा के लिए आये विधायक श्याम सुंदर इन सभी बातों की रिपोर्ट बनाकर अपने साथ ले गये हैं। अब ये रिपोर्ट भाजपा नेतृत्व को सौंपी जायेगी।

बूथ पर अपडेट होनी चाहिए वर्ष भर वोटर लिस्ट

करंट क्राइम। जब मतदान प्रतिशत की बात आई, वोट की बात आई तो जमीनी हकीकत भी कार्यकर्ताओं ने बताई। उन्होंने बताया कि कई बूथ ऐसे हैं जहां तीस से चालिस प्रतिशत लोग चले गये हैं। लेकिन लिस्ट में उनके नाम हैं। ऐसे में वो वोट लिस्ट पर तो दिखाई देते हैं लेकिन वो हकीकत में वहां नहीं रहते हैं। बैठक में ये मांग रखी गई कि वोटर लिस्ट के अपडेट का काम वर्ष भर चले। तहसील स्तर पर चले, ऑनलाइन का विकल्प हो जिससे वास्तविक वोट ही वोटर लिस्ट पर दिखाई दे। जिन लोगों का वोट नहीं बना है वो कभी भी अपना वोट बनवा लें।

आयाम की ओवर डोज से भी हुआ भाजपा को नुकसान

करंट क्राइम। लोकसभा चुनावों में जो उम्मीद थी वो पूरी नहीं हुई और ये भी तथ्य बैठक में आया कि आयाम वाले काम की ओवर डोज ने नुकसान पहुंचाया। संगठन की ओर से इतने कार्यक्रम आये कि कार्यकर्ता जनता के बीच ना जाकर उन्हीं में लगे रहे। कार्यक्रमों की ओवर डोज से मतदान की सेहत पर असर पड़ा और इसका नुकसान भाजपा को हुआ। ज्यादा कार्यक्रम आये और सब उसी में लगे रहे।

400 पार के नारे ने कर दिया दलित वोट बैंक को डायवर्ट

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव की समीक्षा हो रही थी और यहां पर ये बात रखी गई कि 400 पार के नारे में दलित समाज को एकजुट किया और डॉयवर्ट किया। क्योंकि इस नारे के साथ संविधान बदलने की बातें सामने आती थी और नतीजा ये हुआ कि दलित वोट कांग्रेस को ट्रांसफर हो गया। अगर समय रहते भाजपा के दलित नेता इस डैमेज को कंट्रोल करते कुछ कार्यक्रम करते। अपने समाज में ये संदेश पहुंचाते तो इस नुकसान को रोका जा सकता था।

लोकसभा वाली समीक्षा में नहीं हुए किसी भी विधायक के दीदार

करंट क्राइम। गाजियाबाद लोकसभा चुनाव की समीक्षा को लेकर भाजपा की बैठक हुई और इस बैठक की सबसे खास बात ये रही कि गाजियाबाद लोकसभा की समीक्षा को लेकर हुई बैठक में गाजियाबाद लोकसभा के विधायक ही इससे दूर रहे। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, एवं कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, धौलाना विधायक धर्मेश तोमर इस बैठक में नहीं पहुंचे। शहर विधायक अतुल गर्ग अब सांसद है वो इस बैठक में मौजूद थे। लेकिन वो विधानसभा से इस्तीफा दे चुके हैं इसलिए उनकी उपस्थिति लोकसभा वाली मानी जायेगी। इस बैठक में एकमात्र विधायक मंजू शिवाच पहुंची जो मोदीनगर विधायक हैं। और मोदीनगर विधानसभा बागपत विधानसभा में आती है।

समीक्षा लेने आये विधायक लिखकर लाये थे पर्चे पर सवाल

करंट क्राइम। बरेली के विधायक श्याम सुंदर जब बुधवार को गाजियाबाद लोकसभा की समीक्षा लेने के लिए आये तो वो भी पूरी तैयारी के साथ आये थे। वो अपने साथ सवाल लिखकर लाये थे। इन सवालों का सार ये था कि क्या कारण रहे कि वोट कम मिले। किन कारणों से वोट कम मिले और इसके अलावा अलग अलग सवाल थे जो उन्होंने कार्यकताओं के साथ बैठकर पूछे और रखे।

हमारी ही सरकार और हमी से होता है दुर्व्यवहार

करंट क्राइम। समीक्षा बैठक में एक बार फिर भाजपा पदाधिकारियों के मन की पीड़ा सामने आयी। सभी ने कहा कि हमारी सरकार है और हमी से दुर्रव्यवहार होता है। पुलिस प्रशासन भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ठीक व्यवहार नहीं करता है। एक पदाधिकारी ने कहा कि बिजली विभाग का अवर अभियन्ता भाजपा कार्यकताओं से अभ्रद व्यवहार करता है। यदि थाने में भाजपा नेता या कार्यकर्ता चले जायें तो साधारण से विवाद में भी तुरंत 151 का चालान कर देते हैं। पटवारी भाजपा का नाम सुनते ही काम नहीं करता। हालांकि इन सबकी एक खास बात ये रही किसी ने भी किसी का व्यक्तिगत नाम लेकर निशाना नहीं साधा और इसे एक कॉमन समस्या बताया। कोई अधिकारी भी इस बैठक में कार्यकर्ता और पदाधिकारी के निशाने पर नहीं रहा।

खुला ये राज बार-बार बुलाने से लाभार्थी नाराज

करंट क्राइम। समीक्षा बैठक में जब मंडल और बूथ वालों ने कारण गिनाये तो राज समझ में आये। इस बैठक में बताया गया कि योजनाएं तो जनकल्याणकारी हैं लेकिन बार बार बुलाये जाने से लाभार्थी नाराज हो गये। जिन लोगों ने छोटा सा भी लाभ लिया है उन्हें कई बार बुलाया गया और लाभार्थियों की ये नाराजगी हो गई कि क्यों उन्हें बार बार सार्वजनिक मंच पर दिखाया जा रहा है। लाभार्थी के साथ-साथ यहां यह विषय भी रखा गया कि कुछ योजनाओं को अब बंद किया जाये। क्योंकि इसका लाभ सभी ले चुके हैं और एक बार समीक्षा के बाद ही इन योजनाओं को शुरू किया जाये।

कमिश्नरेट के 11 थानों में उप निरीक्षक संभाल रहे हैं कमान

सिटी में सबसे कम तो देहात में सबसे ज्यादा चार्ज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में वर्तमान में 26 थाने हैं और इन 26 थानों में मौजूदा समय में 11 ऐसे थाने हैं जहां पर उप निरीक्षक थानाध्यक्ष के रूप में कमान संभाल रहे हैं। बीते दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि उप निरीक्षक स्तर के प्रभारियों को 50% ही जिम्मेदारी दी जाए। उधर चर्चा हो रही है कि पुलिस लाइन में कई निरीक्षकों के होने के बावजूद भी उपनिरीक्षकों पर भरोसा जताने को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी सुनाई दे रही हैं। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में बीते कुछ दिनों से अधिकारी प्रभारी से ज्यादा उपनिरीक्षकों पर भरोसा जाता रहे हैं। यही कारण है कि वर्तमान में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत 11 ऐसे थाने हैं, जहां पर उप निरीक्षक स्तर के थानेदारों को पोस्टिंग मिल गई है। इसमें सिटी का जोन ऐसा है जहां सबसे कम उप निरीक्षक थाने के पद पर तैनात हैं। तो सबसे ज्यादा तैनाती देहात जोन में उप निरीक्षकों को दी गई है।

इन थानों पर है उप निरीक्षकों को प्रभार

करंट क्राइम : सिटी जोन के अंतर्गत मधुबन बापूधाम इकलौता थाना है जहां उप निरीक्षक स्तर के थानाध्यक्ष को पोस्टिंग मिली है। तो वहीं ट्रांस हिंडन में कौशांबी, लिंक रोड और शालीमार गार्डन थाना है जहां उप निरीक्षक स्तर के प्रभारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं देहात जोन की बात की जाए तो यहां लोनी बॉर्डर, अंकुर विहार, निवाड़ी, मुरादनगर, वेव सिटी, क्रॉसिंग रिपब्लिक और महिला थाने का प्रभार उप निरीक्षकों को दिया गया है। इसमें से वेव सिटी जोन ऐसा है कि जहां दोनों ही थानों पर उप निरीक्षक तैनात हैं।

15 दिन में दी गई तीन थानों पर उप निरीक्षकों को पोस्टिंग

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में महिला थाने, निवाड़ी और क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में उप निरीक्षक को बीते 15 दिन के भीतर ही तैनाती दी गई है। वर्तमान में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के अंतर्गत साइबर थाना और महिला थाना मिलाकर चल रहे 11 ऐसे थाने हैं जहां पर उप निरीक्षक तैनात हैं।

निगम ने बड़े बकायेदारों पर कसा शिकंजा

किरायेदारों से बकाया वसूली हेतु कड़ी कार्रवाई करें विभाग, नगर आयुक्त का निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम ने बुधवार को बड़े बकायदाओं पर शिकंजा कसने का अभियान शुरू किया। इस कड़ी में नगर निगम ने दो जगह सीलिंग की कार्रवाई भी की है। जिसमें रमते राम रोड स्थित शॉपिंग कांप्लेक्स और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम को सील किया गया है। वहीं किराएदारों से बकाया वसूली के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

तो महापौर सुनीता दयाल ने अपील की है कि समय से अपना किराया जमा कर व्यापारी शहर के विकास में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। बुधवार को बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी दलबल के साथ अलग-अलग स्थानों पर गए थे। जहां टैक्स वसूली और बकायेदारों पर शिकंजा कसने का काम किया गया है।

आने वाले दिनों में कई और बकायदार आएंगे निशाने पर

करंट क्राइम । नगर आयुक्त और महापौर दोनों ने विभागों को कर वसूली और बकायदारों से रकम जमा करने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कई और बड़े बकायदार नगर निगम के निशाने पर आ सकते हैं। इसमें सिटी, विजयनगर, कवि नगर और वसुंधरा जोन के साथ ही मोहन नगर जोन प्रमुखता से रह सकता है। उधर बुधवार को हुई कार्रवाई में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा, जोनल प्रभारी अंगद गुप्ता, संपत्ति अधीक्षक रमाशंकर गुप्ता व नगर निगम की सुरक्षा टीम मौजूद रही।

बड़े बकायेदारों पर किया पहले फोकस

करंट क्राइम । मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया है कि नगर आयुक्त के निर्देश पर किराएदारों से बकाया वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में बड़ी कार्रवाई करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय लगभग पौने दो करोड़ बकाया था। इसके साथ ही रमते राम रोड शॉपिंग कंपलेक्स जिस पर दो करोड़ रुपए से अधिक बकाया है नियमानुसार पहले इन्हें नोटिस भी दिया गया था। जब जमा नहीं कराया गया तो नगर निगम ने राजस्व की हानि मानते हुए यह कार्रवाई की है। इसके अलावा शहर की अभी 1146 दुकानें ऐसी हैं, जिन पर लगभग दो करोड़ रुपए का बकाया है, उनको भी अपना बकाया समय रहते जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही अधिकारियों ने आने वाले दिनों में कई और बड़ी कार्रवाई करने की प्लानिंग भी बनाई है।

क्या विधानसभा उपचुनाव में बसपा खेलेगी डीएम कार्ड

वोट बैंक खिसकने के बाद इस बार ऐलीफेंट के लिए सीन होगा हार्ड

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विधानसभा उपचुनाव गाजियाबाद में अक्टूबर नवंबर महीने में होने की संभावना दिखाई दे रही है। चुनाव के समय भले ही मौसम बदल रहा होगा लेकिन दावेदारों में भीषण गर्मी के मौसम में भी चुनावी सरगर्मी दिखाई दे रही है। ऐसा नहीं है कि चुनाव लड़ने की आग केवल फ्लावर वालों के खेमें में है। चुनाव लड़ने का पूरा चाव दूसरे दलों में भी है। लेकिन यहां पर दूसरे दल संशय में है और बसपा का हाथी अकेला है। सपा और कांग्रेस अपने अपने हाईकमान के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। अभी उन्हें ये नहीं पता कि सीट गठबंधन में किसके खाते में जायेगी। रालोद वाले ताल ठोक रहे हैं लेकिन वो गठबंधन की आस लेकर अपने मुखिया के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में विपक्ष की बात करें तो यहां बसपा पर सभी की निगाहें हैं। इस बार बसपा के हाथी को सबसे बड़ा झटका गाजियाबाद में लगा है। वैसे तो उसे एक भी सीट लोकसभा चुनाव में नहीं मिली है। लेकिन गाजियाबाद में उसके लिए बड़ा झटका ये है कि उसे समरसता रास नहीं आई है। पहली बार ऐसा हुआ है जब लोकसभा के चुनाव में बसपा हाथी एक लाख वोट का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया है।

बसपा ने यहां से सामाजिक समरसता कार्ड खेलते हुए ठाकुर उम्मीदवार उतारा था। इसके पीछे रणनीति ये थी कि भाजपा से नाराज ठाकुर बसपा को वोट करेगा और बसपा का परम्परागत वोट दलित और मुस्लिम साथ आयेगा। लेकिन यहां पर बसपा का हाथी अपने कैडर वोट की चाल को नहीं समझ पाया। हाथी का बड़ा झटका लगा और उसका डीएम यानी दलित और मुस्लिम वोट ऐन मौके पर कांग्रेस सपा गठबंधन के साथ हो गया। नतीजा ये हुआ कि पूरे जोर लगाने के बाद भी ठाकुर उम्मीदवार 100 हजार वोट नहीं ले पाया। वो एक लाख वोट भी लेने की स्थिति में नहीं रहा। अब सवाल ये है कि क्या बसपा विधानसभा के उपचुनाव में आयेगी। बड़ा सवाल तो यही है कि बसपा इस उपचुनाव में आयेगी भी या नहीं और वो आती है तो क्या वो लोकसभा वाले प्रयोग से नसीहत लेते हुए डीएम कार्ड खेलेगी। यानी बसपा यहां मुस्लिम उम्मीदवार लाये और दलित और मुस्लिम मिलकर उसे चुनाव लड़ायें।

राजनीति जानकार ये कह रहे हैं कि लोकसभा से पहले ही 22 में विधानसभा चुनाव में ऐलीफेंट को बहुत बड़ा डैंट पड़ चुका है। चार बार सरकार बनाने वाले हाथी को इतनी बड़ी विधानसभा में केवल एक सीट पर जीत मिली थी और फिर वो यहां नगर निगम के चुनाव में भी पिछड़ गया। अब विधानसभा उपचुनाव में ऐलीफेंट के लिए राहें इतनी आसान नहीं है। उसके लिए सीन इसलिए भी हार्ड होगा क्योंकि वो पहले से ही नगर निगम के 100 वार्ड में वीक चल रहा है।

बसपा के वोट बैंक पर फोकस कर रही है भाजपा

करंट क्राइम। विधानसभा उपचुनाव से ना सरकार पर कोई फर्क पड़ रहा है और उसे ना कोई संदेश देना है क्योंकि विधानसभा का चुनाव भी 2027 में होना है। ऐसे में भाजपा का फोकस कांग्रेस के बढ़ते वोटबैंक पर है और वो इसके लिए बसपा के कैडर वोट पर फोकस कर रही है। सियासी जानकार बता रहे हैं कि भाजपा की चिंता बसपा का हाथी नहीं है। भाजपा की चिंता ये है कि ये हाथी जिस तरह से लोकसभा चुनाव में हाथ वालों के साथ गया है वो आने वाले सियासी समीकरण में भाजपा को नुकसान दे सकता है। भाजपा को अगर वोटों का झटका लगा है तो वो इसी समीकरण से लगा है। वो इस वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए रणनीति तैयार कर रही है। सूत्र बताते हैं कि वो भगवा दलित नेताओं की एक पूरी लॉबी तैयार करने जा रही है।

संपादकीय

नारी शक्ति के प्रति सौहार्द का भाव जरूरी

अब तो भारत में भी लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचना भी कई सवालों को जन्म देता है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है। पिछले साल भारत लैंगिक सूचकांक अंतराल में 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

'भारत का बुनियादी ढांचा आश्चर्यजनक बदलाव के दौर से गुजर रहा : गौतम अदाणी

नई दिल्ली। अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने बताया है कि सूरज की रोशनी और पवन चक्की से बिजली का उत्पादन करने के लिए समूह सौर पार्कों व विंड फार्म्स के निर्माण के अलावा हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा टरबाइन और सौर पैनल बनाने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर बनाने की दिशा में काम कर रहा है

अदाणी समूह हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए ऊर्जा हस्तांतरण परियोजनाओं और विनिर्माण क्षमता में 100 अरब डॉलर (लगभग 835 करोड़ रुपये) से अधिक का निवेश करेगा। समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने बुधवार को क्रिसिल के एक कार्यक्रम में यह एलान किया। गौतम अदाणी ने बताया कि सूरज की रोशनी और पवन चक्की से बिजली का उत्पादन करने के लिए सौर पार्कों व विंड फार्म्स के निर्माण के अलावा समूह हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा टरबाइन और सौर पैनल बनाने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर बनाने से जुड़े प्रमुख सुविधाओं का निर्माण कर रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित इलेक्ट्रोलाइजर की मदद से पानी से हाइड्रोजन को विभाजित करके बनाया जाता है, को उद्योग के साथ-साथ परिवहन क्षेत्र को डीकाबोर्नाइज करनेकी दिशा में संभावित रामबाण के रूप में देखा जाता है। क्रिसिल के 'इंफ्रास्ट्रक्चर- द कैटेलिस्ट फॉर इंडियाज फ्यूचर' कार्यक्रम में अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि ऊर्जा संक्रमण और डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में एक ट्रिलियन डॉलर के अवसर हैं, जो भारत को स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बदल देंगे। गौतम अदाणी ने कहा अगले दशक में हम एनर्जी ट्रांजिशन (ऊर्जा हस्तांतरण) के क्षेत्र में 100 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करेंगे और हमारी एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य श्रृंखला का और विस्तार करेंगे। समूह पहले से ही हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए आवश्यक हर प्रमुख घटक के निर्माण का विस्तार करता है। अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने क्रिसिल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैं बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां भारत का बुनियादी ढांचा उद्योग एक आश्चर्यजनक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसके प्रभाव को हम पूरी तरह से तब समझ पाएंगे जब हम एक दशक पीछे देखेंगे। हमने एक बुनियादी ढांचा पूंजीगत व्यय चक्र शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। इसके जरिए भारत के कई दशकों के विकास की नींव रखी गई। यह शासन की गुणवत्ता के साथ शुरू हुआ, इसलिए विश्व स्तर पर बहुत कम क्षेत्र सरकारी नीति के साथ इतने मजबूती से जुड़े हुए हैं। अदाणी ने कहा, इससे पहले कि मैं भारत और फिर बुनियादी ढांचे के भविष्य के बारे में बात करूं, यह महत्वपूर्ण है।

नए हाई के बाद शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग

सेंसेक्स 36 अंक चढ़ा, निफ्टी 23500 के पार

नई दिल्ली। बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स अपनी रिकॉर्ड बढ़त को लगातार चौथे दिन बनाए रखने में सफल रहा और 36.45 (0.04%) अंकों की बढ़त के साथ 77,337.59 पर बंद हुआ। हालांकि, निफ्टी में 41.91 (-0.18%) अंकों की गिरावट के साथ 23,516.00 पर क्लोजिंग हुई। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स बुधवार को रिकॉर्ड ऊंचाइयों को पहुंचने के बावजूद सपाट बंद हुए। ऊपरी स्तरों पर शेयर बाजार में बिकवाली हावी हो गई। आखिरकार सेंसेक्स हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा, लेकिन निफ्टी लाल निशान पर बंद हुआ। बुधवार के सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव भरा कारोबार दिखा। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स और ऊर्जा क्षेत्र के शेयरों में मुनाफावसूली दिखी।

वहीं, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में मजबूत बढ़त आई। 30 शेयरों का बीएसई सेंसेक्स लगातार पांचवें सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ। यह 36.45 (0.04%) अंकों की बढ़त के साथ 77,337.59 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 550.49 अंक या 0.71% की बढ़त के साथ 77,851.63 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर, निफ्टी में 41.91 (-0.18%) अंकों की गिरावट के साथ 23,516.00 पर क्लोजिंग हुई। कारोबार के दौरान यह 106.10 अंकों या 0.45 की बढ़त के

साथ अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर 23,664 पर पहुंचा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटिक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीत के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर, टाइटन, मारुति, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हॉन्गकॉन्ग बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शंघाई लाल निशान पर बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में मिड सेशन सौदों के दौरान नरमी दिखी। मंगलवार को अमेरिकी बाजार हरे निशान पर बंद हुए।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,569.40 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर खरीदे। बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 1 पैसे की गिरावट के साथ 83.44 (अस्थाई) पर बंद हुआ। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अप्रैल से जून के बीच 4.62 लाख करोड़ का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह

नई दिल्ली। भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1 अप्रैल से 17 जून के बीच सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 4.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। आयकर विभाग ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1 अप्रैल से 17 जून 2024 के बीच सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 4.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। आयकर विभाग ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अनुसार, उक्त अवधि कुल 4,62,664 करोड़ रुपये (17 जून, 2024 तक) का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह किया गया। इसमें 1,80,949 करोड़ रुपये का सीआईटी और 2,81,013 करोड़ रुपये का पीआईटी (प्रतिभूति लेनदेन कर सहित) का कलेक्शन किया गया। वित्त वर्ष 2024-25 में 17 जून तक 53,322 करोड़ रुपये के रिफंड भी जारी किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान जारी किए गए रिफंड से 34 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल से जून 17 के बीच प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंड के लिए समायोजन से पहले) पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में 4.23 लाख करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 5.16 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें 22.19 प्रतिशत की वृद्धि आई।

निवेश वृद्धि के दम पर 2024-25 में 7.2 फीसदी रहेगी विकास दर

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स एजेंसी ने भारत की आर्थिक दर को अनुमान को बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। फिच ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए यह अनुमान लगाया है। फिच रेटिंग्स ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। यह आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है, जिसने इस महीने की शुरूआत में ग्रामीण मांग में सुधार और महंगाई में नरमी के कारण 7.2 फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान जताया था। फिच ने इस साल मार्च में विकास दर 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। एजेंसी ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 में 6.5 फीसदी और 2026-27 में 6.2 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ेगी। रेपो दर: 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है आरबीआई फिच रेटिंग्स ने कहा, चालू वित्त वर्ष के अंत तक खुदरा महंगाई दर घटकर 4.5 फीसदी के स्तर पर आ सकती है। इससे आरबीआई ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती कर इसे 6.25 फीसदी पर ला सकता है। महंगाई 2025 और 2026 में औसतन 4.3 फीसदी पर रह सकती है।

एडीबी ने सात फीसदी का लगाया है अनुमान

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने इससे पहले भारतीय जीडीपी के 7 फीसदी के रफ्तार से बढ़ने का अनुमान लगाया था। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स और मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी रह सकती है। मूडीज को उम्मीद है कि विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है। देश की अर्थव्यवस्था 2023-24 में 8.2 फीसदी की मजबूत दर से बढ़ी थी। वहीं, मार्च तिमाही में विकास दर 7.8 फीसदी के स्तर पर रही थी।

राशिफल

मेष: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर भी जा सकते हैं।

वृष: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी अपनी भावनाओं को वश में रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार के लिए सचेत रहें।

मिथुन: मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। किसी सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं। निवेश लाभप्रद रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिल सकता है।

कर्क: आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से धन मिल सकता है।

सिंह: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता के सहयोग से मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या: आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए परिवार से दूर किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक: मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

धनु: मन थोड़ा परेशान तो रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

मकर: मन परेशान रहेगा, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। मन परेशान रहेगा। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

मीन: आत्मविश्वास तो रहेगा, परन्तु मन परेशान भी हो सकता है। आत्मसंयत रहें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

चुटकुले

संता ने बंता से पूछा- तू लड़की देखने गया था, क्या लड़की पसंद नहीं आई? शादी क्यों तोड़ दी?
बंता- यार लड़की तो सुंदर थी लेकिन उसका कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं था... संता- तो?
बंता- जो आज तक किसी की न हो सकी, वो मेरी क्या होगी? मैं तो शादी उसी लड़की से करूंगा जिसका ब्वॉयफ्रेंड हो!

चिंटू-पिंटू आपस में बात कर रहे थे...
चिंटू- एक लॉजिक मैं आज तक समझ नहीं पाया, पिंटू - क्या?
चिंटू- धीरे बोलो दीवारों के भी कान होते हैं, मान लो कान होते भी हैं तो जुबान तो नहीं होती ना, सुन भी लिया तो किसी को कैसे बताएंगे?

पति- मुझे अजीब से बीमारी है। मेरी बीवी जो बोलती है मुझे सुनाई नहीं देता है।
डॉक्टर- यह बीमारी नहीं है तुम पर भगवान की कृपा है।

रोचक तथ्यों का करंट

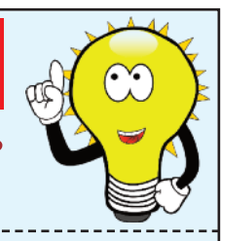

- खाने का स्वाद उसमें लार यानी सलाइवा मिलने के बाद ही आता है।
- यदि मकड़ी को जलाया जाये तो वो बारूद की तरह फट जायगी।
- मानव गर्भनिरोधक गोलियां गोरिल्ला पर भी काम करती है।
- क्या आपको पता है कि, अरेबिक नुमराल सिस्टम का भी खोज भारत में ही हुआ था।
- मच्छर के मुंह में 47 दांत होते हैं।
- अमेरिका के मूल निवासी अपने बच्चों का पहला नाम उस चीज के नाम पर रखते हैं जिस चीज को वह अपने घर से बाहर निकलते ही सबसे पहले देखता है।
- पक्षियों में केवल तोता ही ऐसा पक्षी है जो जम्हाई लेता है।
- अगर हम सूर्य को एक क्रिकेट की गेंद मान ले तो पृथ्वी का आकर एक धूल के कण के बराबर होगा।
- तेंदुआ अँधेरी रात में भी अच्छी तरह से देख सकता है।
- क्या आपको पता है कि, हमारे देश मे डॉल्फिन मछली को नहीं पकड़ा जा सकता है, ये एक जुर्म है।
- गस्त माह में सबसे ज्यादा बच्चे पैदा होते हैं।
- पश्चिमी अफ्रीका के माध्यमिक जनजाति के लोग मर चुके मानव की खोपड़ी का इस्तेमाल फुटबॉल खेलने में करते हैं।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606315 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

20 06 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

नीतू चंन्द्रा
अभिनेत्री

अंशिका ठाकुर

अहम नागर

गणेश गुर्जर

पर्व शर्मा

अनुराग शर्मा

डुग्गु

निशा गुप्ता

दयावती

कल्पना मित्तल

सुनील चौधरी

सुनील वशिष्ठ

राजेश बंसल

मुकेश शर्मा

विवेक तोमर

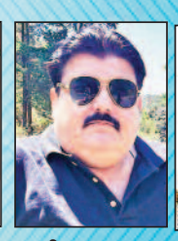
दीपक प्रधान

सोनी कैलाश ठाकरे

अनिल शर्मा

संजीव शर्मा

केशव सिंह

वीरपाल सिंह

तरूण सोनी

नीरज शर्मा

सुभाष तोमर

मोहन नेगी

पिंटू चौधरी

प्रवीण वर्मा

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज ने जीता गोल्ड

सीएम नायब सैनी ने दी बधाई

नई दिल्ली। जैवलिन थ्रो स्टार नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया है। नीरज ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स 2024 में यह सफलता हासिल की है। हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने इस मौके पर उन्हें बधाई दी है। टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड में आयोजित पावो नूरमी गेम्स में जेवलिन में यह जीत हासिल की। उन्होंने 85.97 थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया। नीरज ने इस जीत के साथ पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी फॉर्म को लेकर अच्छे संकेत दे दिए हैं। इस खास मौके पर सीएम नायब सैनी ने उन्हें बधाई दी है। सीएम ने कहा, नीरज चोपड़ा को बधाई, वो देश का सम्मान लगातार बढ़ा रहे हैं। उन्हें गोल्ड मेडल जीतने के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उनकी इस जीत से पूरा देश खुश है, वो आगे भी इसी तरह देश के लिए मेडल जीतते रहें। चोट के

बाद वापसी कर रहे नीरज का इस इवेंट में बेस्ट थ्रो 85.97 मीटर का रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने यह दूरी हासिल की। पहले प्रयास में 83.62 का बेस्ट थ्रो नीरज ने ही मारा था। लेकिन दूसरे प्रयास में फिनलैंड के ओलिवर हेलैंडर ने जेवलिन को 83.96 मीटर दूर फेंक दिया। तीसरे प्रयास में नीरज ने जो बढ़त बनाई वो अंत तक कायम रही। अगले महीने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस ओलिंपिक गेम्स का आयोजन होगा, जिससे पहले नीरज की शानदार वापसी ने आगामी पेरिस ओलंपिक को लेकर उनकी मजबूत तैयारियों की गवाही दी है।

अमेरिका को कमजोर टीम समझना बेवकूफी : एडेन मार्कराम

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। टी20 विश्व कप 2024 का सफर अब सुपर 8 के दौर में पहुंच चुका है। इस चरण का पहला मैच द. अफ्रीका और अमेरिका के बीच होने वाला है। इस मैच से पहले अफ्रीकी कप्तान एडेन मार्कराम ने कहा कि अमेरिका को कमजोर टीम समझना सबसे बड़ी बेवकूफी हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम का मानना है कि यूएसए ने साबित कर दिया है कि वे टी20 विश्व कप 2024 में अब छोटी टीम नहीं है और हम सुपर आठ के मुकाबले में उन्हें हल्के में नहीं लेंगे। अपने पहले पुरुष टी20 विश्व कप में, सह-मेजबान अमेरिका ने कनाडा और पाकिस्तान को हराकर शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही ग्रुप-ए में भारत के बाद दूसरे नंबर पर है। अब अमेरिका का सामना दक्षिण अफ्रीका की टीम से होगा, जिसने नीदरलैंड और नेपाल के खिलाफ जीत सहित ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया है। एडेन मार्कराम

ने कहा, वे वास्तव में अच्छे रहे हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि वे अब छोटी टीम नहीं हैं। इसलिए, हमें 100 प्रतिशत अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा और उम्मीद है कि सब ठीक रहेगा, लेकिन मैं अमेरिका के खिलाफ एक चुनौतीपूर्ण मैच के लिए उत्साहित हूं। यह एक ऐसी टीम है जिसके खिलाफ हमने ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए हम इसके लिए और यहां एंटीगा में खेलने के लिए उत्सुक हैं। इन दोनों टीमों ने एक दूसरे के साथ इससे पहले कोई भी मुकाबला नहीं खेला है। हालांकि कागजों पर मजबूत दिखने वाली अफ्रीकी टीम को यह जरूर पता है कि वह किसी भी कीमत पर अमेरिका को हल्के में नहीं ले सकती। टूर्नामेंट में अमेरिका की टीम ने खूब सुर्खियां बटोरी। ग्रुप स्टेज में उसने भारत और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया था। उसने पाकिस्तान को हरा कर एक बड़ा उलटफेर किया था। हालांकि, भारत के खिलाफ उसे हार जरूर मिली थी लेकिन 110 के लक्ष्य को भी उनके गेंदबाजों ने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य में तब्दील कर दिया था। विश्व कप से पहले भी उसने बांग्लादेश को टी20 सीरीज में मात देकर सबको चौंका दिया था। ऐसे में इस टीम से उनके फैंस काफी उम्मीद लगाए बैठे हैं।

टी20 विश्व कप की धूम के बीच गोल्फ खेलते नजर आए विव रिचर्ड्स

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी सर विवियन रिचर्ड्स एंटीगा के सीडर वैली गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेलते हुए दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने टी20 विश्व कप में सह-मेजबान वेस्टइंडीज की टूर्नामेंट में दावेदारी पर भी अपनी बात रखी। टी20 विश्व कप 2024 इस बार अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जा रहा है। टूर्नामेंट का ग्रुप चरण समाप्त हो गया है और टॉप-8 टीमें सुपर-8 चरण के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रही हैं। इस राउंड की शुरूआत बुधवार को अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले से होगी। वेस्टइंडीज ने ग्रुप सी में अपने सभी मैचों में जीत हासिल करते हुए सुपर 8 में अपनी जगह पक्की की। अब टी20 विश्व कप 2024 में सुपर 8 के ग्रुप 2 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी। यह मुकाबला गुरुवार सुबह 6 बजे खेला जाएगा (भारतीय समयानुसार)। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला सेंट लूसिया के डैरेन सैमी ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बीच पूर्व वेस्टइंडीज खिलाड़ी सर विवियन रिचर्ड्स एंटीगा के सीडर वैली गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेलते हुए दिखाई दिए। वहां मौजूद कुछ भारतीय क्रिकेट फैंस ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। विव रिचर्ड्स ने कहा, वेस्टइंडीज की टीम अच्छी लय में है। वो एक मजबूत टीम

कॉम्बिनेशन के साथ खेल रहे हैं। उनके पास घरेलू सरजमीं पर इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। जब उनसे एक पत्रकार ने सवाल किया कि क्या वेस्टइंडीज को एक नया विव रिचर्ड्स मिलेगा? इस सवाल का जवाब देते हुए विव रिचर्ड्स ने कहा कि यह सब बेफिजूल की बातें है, हमारे पास टीम में कई और भी बेहतर खिलाड़ी हैं। सुपर-8 के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, अमेरिका और इंग्लैंड के बाद अब बांग्लादेश ने क्वालीफाई कर लिया है। सुपर-8 राउंड की शुरूआत अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच से होगी। सुपर-8 राउंड में दो ग्रुप हैं। एक ग्रुप की एक टीम तीन मैच खेलेगी। हर एक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

अफगानिस्तान से भारत को रहना होगा सावधान : उमेश पटवाल

मुंबई। अफगानिस्तान के पूर्व बैटिंग कोच उमेश पटवाल ने भारत को चेतावनी दी है कि सुपर-8 मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करते समय बिल्कुल सावधान रहे। भारत और अफगानिस्तान के बीच गुरुवार को बारबाडोस में ये मैच खेला जाएगा। अफगानिस्तान बड़े मंच पर व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट में बड़ी टीमों को पछाड़ने का माद्दा रखता है। भारत पुरुषों के टी20 में अफगानिस्तान से आठ बार भिड़ चुका है और इस प्रारूप में हमेशा जीत भारत की हुई है। पिछली बार जब वे इस साल बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भिड़े थे, तो भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकबला 212-212 रन के ड्रॉ पर पहुंच गया। फिर, रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को जीत के लिए दो सुपर ओवर खेलने

पड़े। उमेश पटवाल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, भारत को वाकई सावधान रहना होगा। पिछले साल के वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और दूसरी बड़ी टीमों को हराकर दिखाया कि वे क्या कर सकते हैं। मुझे लगता है कि अब तक उसने जिस टीम को नहीं हराया है, वह भारत है। इसलिए उसके दिमाग में अगला लक्ष्य यही होगा। इसलिए, इस बार भारत को अफगानिस्तान का सामना करने के लिए मजबूत रणनीति बनानी होगी। सुपर आठ में आने पर कोई भी इतना बड़ा मौका नहीं गंवाना चाहता। मुझे याद है कि 2018 में एशिया कप में दुबई में उनका भारत के साथ मुकाबला था। इसलिए इस बार वे एक कदम आगे बढ़ना चाहेंगे, चाहे वह भारत हो या ऑस्ट्रेलिया। भारत और अफगानिस्तान के अलावा, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश सुपर आठ में ग्रुप-1 में शामिल हैं। उमेश पटवाल ने कहा, पिछले साल वनडे विश्व कप में एक महत्वपूर्ण मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने दोहरा शतक जमाकर अफगानिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। इसलिए उनके लिए वापसी का यह समय है। ये सभी चीजें खिलाड़ियों के दिमाग में होंगी। पटवाल ने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि वे शीर्ष चार में होंगे, इसलिए सुपर आठ में अपने ग्रुप से शीर्ष दो में उन्हें देखकर आपको आश्चर्य नहीं होगा। मुझे हमेशा उम्मीद थी कि वे सेमीफाइनल खेलेंगे और पिछले साल वनडे विश्व कप के दौरान भी मुझे यही उम्मीद थी।

बांग्लादेश टीम पर टूटा दुखों का पहाड़

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक आलमगीर खान का बुधवार सुबह ढाका के एक अस्पताल में निधन हो गया। इसकी जानकारी बोर्ड ने ट्वीट कर दी। 74 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। टीम फिलहाल टी20 विश्व कप 2024 में खेलती नजर आ रही है। नाजमुल हसन शांतो के नेतृत्व में टीम ने सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

बीसीबी ने लिखा, बोर्ड बीसीबी के निदेशक आलमगीर खान के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बीसीबी इस कठिन समय में आलमगीर खान के परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना और गहरी सहानुभूति व्यक्त करता है।

सुपर-8 में पहुंचा बांग्लादेश

बांग्लादेश की टीम ने नेपाल को हराकर सुपर-8 में जगह हासिल की। सोमवार को किंग्सटाउन में खेले गए मुकाबले में टीम ने नेपाल को 21 रनों से हराया था। इस जीत के साथ उनके खाते में छह अंक हो गए और नटे रनरेट +0.616 का हो गया।

टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद अपने देश लौटे श्रीलंकाई खिलाड़ी

कोलंबो। अमेरिका में आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले दौर से बाहर होने के बाद श्रीलंकाई टीम अपने देश लौट आई है। बुधवार सुबह दुबई से ईके-650 एमिरेट्स फ्लाइट के जरिए वानिंदु हसरंगा की टीम के पहुंचने पर भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने कहा कि बीआईए में सामान्य आगमन मार्ग के बजाय, टीम के सदस्यों ने एक विशेष वीआईपी लाउंज का उपयोग किया, जिसकी कीमत प्रति व्यक्ति 50 अमेरिकी डॉलर थी।

मीडिया से बात करते हुए, कप्तान हसरंगा ने कहा कि टीम का पहले दौर में ही बाहर होना निराशाजनक है। इस टूर्नामेंट में हमारा प्रदर्शन बेहद खराब रहा। हसरंगा ने कहा, हमें पता है कि हमारे साथ क्या

हुआ। हम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में विफल रहे। कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में मुझे इस बात का बहुत दुख है। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हार के बाद, श्रीलंका की अगले दौर में आगे बढ़ने की उम्मीदें तब धराशायी हो गईं जब फ्लोरिडा में भारी बारिश के कारण नेपाल के खिलाफ उसका मैच रद्द हो गया। उनकी एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ उनके आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में आई। टूर्नामेंट का खराब अंत होने के बाद, श्रीलंका का अब आगे सामना भारत से होगा, जो जुलाई में तीन वनडे और इतने ही टी20 के लिए श्रीलंका का दौरा करने वाला है।

पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह को याद आया फ्लैशबैक

नई दिल्ली। संग्राम सिंह भारतीय पहलवान, एक्टर और एमएमए फाइटर भी हैं। संग्राम 38 साल की उम्र में एमएमए की दुनिया में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट हैं। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूपी कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन ने आईएएनएस से एक खास बातचीत में अपनी यात्रा, अपने करियर और एमएमए फाइटर में इतनी देर से एंट्री के बारे में बात की। संग्राम सिंह ने आईएएनएस को बताया, मैं अभी शुरूआत कर रहा हूं। मेरा मानना है कि यूएफसी और एमएमए दोनों बहनें हैं। यूएफसी ने भी मुझसे संपर्क किया था, लेकिन मेरा मानना है कि मुझे एमएमए से शुरूआत करनी चाहिए। जब अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की बात आती है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां खेलते हैं, इसलिए निश्चित रूप से यूएफसी मेरी भविष्य की योजनाओं में भी है। कोई

मुझसे मजाक कर रहा था कि मैं क्रिकेट भी आजमाऊं। जीवन बहुत छोटा है, इसलिए आपको हर मौके पर दूसरों को प्रेरित करने की कोशिश करनी चाहिए, और मेरा मानना है कि जीने का सबसे अच्छा तरीका निस्वार्थ जीवन जीना है। कई सालों की कड़ी मेहनत और 25 साल से ज्यादा के शानदार करियर के बाद एक मजबूत शरीर पाने के बावजूद, पूर्व कुश्ती चैंपियन ने खुलासा किया कि उनका जीवन आसान नहीं रहा है। उन्होंने खुद को कभी हार न मानने के लिए कैसे प्रेरित किया और उन्होंने लड़ाकू खेलों के क्षेत्र में वापसी करने का फैसला क्यों किया। संग्राम छह साल से कुश्ती से दूर थे और हाल ही में उन्होंने दुबई प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के मुहम्मद सईद को हराकर कुश्ती में वापसी की। उनका लक्ष्य एमएमए के साथ-साथ कुश्ती में भी अपना करियर जारी रखना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में ये दोनों होंगे मैदानी अंपायर

सेंट लूसिया। इंग्लैंड के रिचर्ड कैटलबोरो और रिचर्ड इलिंगवर्थ भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 24 जून को होने वाले टी20 विश्व कप ग्रुप एक के सुपर आठ मुकाबले में अंपायरिंग करेंगे। भारत के गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले सुपर आठ मैच में आस्ट्रेलिया के रॉडनी टकर और पॉल रीफेल अंपायर होंगे, जबकि डेविड बून मैच रैफरी होंगे। कैटलबोरो का विवादों से पुराना नाता रहा है। वह भारत के खिलाफ कई फैसले दे चुके हैं, जिसके लिए उनकी खूब आलोचना भी हुई थी। 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में भी कैटलबोरो ने अंपायरिंग की थी।

बांग्लादेश के खिलाफ ये होंगे अंपायर

बांग्लादेश के खिलाफ 22 जून को होने वाले भारत के मैच में इंग्लैंड के माइकल गॉफ और दक्षिण अफ्रीका के एड्रियन होल्डस्टॉक अंपायरिंग करेंगे। आईसीसी अंपायरों के एमिरेट्स एलीट पैनल के सदस्य क्रिस गाफने और केटलबोरो बुधवार को अमेरिका के टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ऐतिहासिक नॉकआउट मैच में अंपायरिंग करेंगे।

इन मैचों के भी अंपायर तय

सह मेजबान अमेरिका ने ग्रुप ए में पाकिस्तान के खिलाफ सुपर ओवर में मिली शानदार जीत की बदौलत दूसरे स्थान पर रहकर सुपर आठ के लिए क्वालिफाई किया। इस मैच में जोएल विल्सन टीवी अंपायर होंगे। अमेरिका सुपर आठ के ग्रुप दो में दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड और सह मेजबान वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। विल्सन 23 जून को अमेरिका बनाम इंग्लैंड मैच में गाफने के साथ मैदानी अंपायर होंगे। इस टूर्नामेंट से सीनियर पुरुष टूर्नामेंट में डेब्यू करने वाले अलाहुद्दीन पालेकर चौथे अंपायर होंगे। इलिंगवर्थ और माइकल गॉफ आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच सुपर आठ मैच में अंपायरिंग करेंगे, जबकि नितिन मेनन और अहसन रजा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच मैच में मैदानी अंपायर होंगे।

इंग्लैंड-वेस्टइंडीज मैच पर भी रहेंगी नजरें

टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के पहले अंपायर के तौर पर इतिहास रचने वाले शरफुद्दौला इब्ने शाहिद इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज मैच में टीवी अंपायर होंगे तथा वह इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में क्रिस ब्राउन के साथ मैदानी अंपायर होंगे। सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग करने वाले जेफ क्रो इंग्लैंड के वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तथा भारत बनाम आस्ट्रेलिया मुकाबले में मैच रैफरी होंगे।

रोहित से भिड़ना तंजीम को पड़ा महंगा

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब को नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल से भिड़ना महंगा पड़ गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नियमों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया है। 16 जून को किंग्सटाउन में बांग्लादेश और नेपाल के बीच खेले गए मैच के दौरान दोनों आमने-सामने आ गए थे।

आईसीसी ने की कार्रवाई

आईसीसी की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर तंजीम के खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने कहा, ₹यह घटना नेपाल की पारी के तीसरे ओवर की समाप्ति के ठीक बाद हुई। तंजीम ने एक गेंद फेंकने के बाद नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल की ओर आक्रामक तरीके से घूरते हुए दिखे। साथ ही अनुचित शारीरिक संपर्क किया करने की कोशिश की।

स्मृति मंधाना ने लगातार दूसरा शतक जड़ा

ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं

बेंगलुरु। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में स्मृति मंधाना ने शतक जड़ा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले वनडे में भी उन्होंने 117 रन की पारी खेली थी। अब लगातार दूसरा शतक जड़कर उन्होंने इतिहास रच दिया है। मंधाना ने 120 गेंद में 18 चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। वहीं, उपकप्तान के अलावा कप्तान हरनप्रीत कौर ने भी शतक लगाया। वह 88 गेंद में नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 103 रन बनाकर नाबाद रहीं। इन दो शतक की बदौलत भारत ने 50 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 325 रन बनाए।

मंधाना ने बनाया खास रिकॉर्ड

मंधाना वनडे में लगातार दो शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी और ओवरऑल 10वीं महिला खिलाड़ी बन गई। इन 10 खिलाड़ियों ने मिलकर 11 बार ऐसा किया है। मंधाना से पहले एमी सैथटरवेट, जिल केन्नारे, डेबोरा हॉकी, केएल रॉन्टन, मेग लैनिंग, टैमी ब्यूमोंट, एलिसा हीली, नेट शीवर ब्रंट और एल वोल्वार्ड्ट ऐसा कर चुकी हैं।

मंधाना ने इस मामले में की मिताली की बराबरी

मंधाना का यह वनडे करियर का सातवां शतक रहा। उन्होंने दिग्गज मिताली राज के वनडे में सात शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। वह अब मिताली के साथ वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी के मामले में शीर्ष पर हैं। यह भी गौर करने वाली बात है कि मंधाना ने ये सात शतक 84 वनडे पारियों में लगाए हैं। वहीं, मिताली को इसके लिए 211 वनडे पारियां खेलनी पड़ी थीं। मंधाना के सातों शतक ओपनिंग करते हुए आए हैं। इससे पहले भारत की किसी भी ओपनर ने दो से ज्यादा शतक नहीं लगाए थे। मंधाना की 136 रन की पारी वनडे में किसी भारतीय महिला खिलाड़ी द्वारा भारतीय सरजमीं पर उच्चतम स्कोर है।

हरमनप्रीत का छठा वनडे शतक

मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत ने वनडे करियर का छठा शतक जड़ा। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम को 38 के स्कोर पर पहला झटका लगा था। शेफाली वर्मा 38 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुई थीं। वहीं, हेमलता ने 24 रन की पारी खेली। इसके बाद मंधाना ने हरमनप्रीत के साथ मिलकर 171 रन की साझेदारी निभाई। मंधाना को मलाबा ने पवेलियन भेजा। इसके बाद हरमनप्रीत ने ऋचा घोष के साथ चौथे विकेट के लिए 54 रन की नाबाद साझेदारी निभाई। ऋचा 13 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मलाबा ने दो विकेट लिए, जबकि क्लास को एक विकेट मिला। पहला वनडे भारत ने 123 रन से अपने नाम किया था और सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी। यह मैच जीतते ही टीम इंडिया 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर लेगी।

नबी को पछाड़कर नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बने स्टोइनिस

● सूर्यकुमार बल्लेबाजों में शीर्ष पर बरकरार

दुबई। टी20 विश्व कप 2024 के बीच आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पछाड़कर ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बन गए। मौजूदा संस्करण में स्टोइनिस ने छह विकेट चटकाने के अलावा बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में जगह दिलाने में मदद की।

शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय

स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। नबी चौथे, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा छठे और भारत के हार्दिक पांड्या सातवें स्थान पर हैं। पांड्या को

तीन मैचों में शानदार गेंदबाजी की वजह से एक स्थान का फायदा हुआ। शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

गेंदबाजों में रशीद शीर्ष पर बरकरार

वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अब तक टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है जो उनकी रैंकिंग में भी नजर आता है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद शीर्ष पर बने हुए हैं। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ भी छह स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी गुडाकेश मोती 16 स्थान की लंबी छलांग के साथ 13वें स्थान पर हैं।

बल्लेबाजों में सूर्यकुमार शीर्ष पर

भारत के सूर्यकुमार यादव खेल के सबसे छोटे प्रारूप में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। फिल सॉल्ट, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड पांच स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन 11वें पायदान पर हैं। पूरन को आठ स्थान का फायदा हुआ है। वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड 43 पायदान की लंबी छलांग के साथ 42वें स्थान पर हैं।

प्लास्टिकमुक्त शहर के लिए नगर निगम के बर्तन बैंक का करें प्रयोग:महापौर

निगम किराए पर देता है बर्तन और सुरक्षा के तौर पर कराता है कुछ धनराशि डिपॉजिट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर को प्लास्टिकमुक्त बनाने के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार लगातार कार्य कर रहीं है जिसके अंतर्गत गाजियाबाद नगर निगम भी शहर में प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई कर रहा है। प्लास्टिकमुक्त शहर बनाने के लिए सभी शहरवासियों को जागरूक होना पड़ेगा, तभी शहर को प्लास्टिकमुक्त बनाया जा सकता है जिसमें बर्तन बैंक का प्रयोग किया जाना बहुत सुविधाजनक साबित हो सकता है। यह अपील जनता से महापौर सुनीता दयाल ने की ह। उन्होंने कहा है कि शहर में बर्तन बैंक के प्रयोग करने से भी प्लास्टिक से बचा जा सकता है जिससे कूड़े की मात्रा में भी कमी आएगी। महापौर ने कहा है कि नगर निगम ने पूर्व में बर्तन बैंक बनाया था जिसमे 1500-2000 बर्तन हैं एवं इसी प्रकार कुछ शहर की संस्थाओं ने भी बर्तन बैंक बनाए हैं ऐसे में सभी वार्डो के लोग अपने निजी कार्यक्रम में नगर निगम के बर्तन बैंक का प्रयोग करें तो प्लास्टिकमुक्त एवं कूड़े की मात्रा में बहुत बड़ी कमी आएगी। नगर निगम द्वारा 2.5 में एक प्लेट,ग्लास,एवं चम्मच किराए पर दिया जाता है और बर्तनों की सुरक्षा के लिए चेक लिया जाता है। बर्तन वापिस करने पर चेक वापस दिया जाता है। महापौर का कहना है कि यह बर्तन बैंक सभी शहरवासी अपने निजी कार्यक्रमो के लिए प्रयोग करें,यह शहर हित में अच्छी पहल होगी जिसमें सभी के सहयोग की अपेक्षा है।

पेयजल समस्या को लेकर खोड़ा निवासी मिले जिलाधिकारी से

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा रेजीडेंटस एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष दीपक जोशी के नेतृत्व में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह से पेयजल समस्या को लेकर मिला। प्रतिनिधिमंडल द्वारा बताई गई समस्या संज्ञान में आते ही जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया कि प्रमुख सचिव द्वारा फरवरी माह में ही उनकी परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि उक्त परियोजना की कुल लागत185.50 करोड़ रुपये है और कार्य लागत 140 करोड़ रुपये है। जिला अधिकारी ने बताया कि अगले दो माह तक निविदा होने के पश्चात भूतल पर कार्य शुरू करा दिया जायेगा। गौरतलब है कि कलक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय पर जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10:00 से जन सुनवाई की जाती है। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के समक्ष प्रतिदिन की तरह राजस्व, विकास कार्य, जीडीए, नगर निगम से सम्बंधित अनेक शिकायतें आई जिन्हें जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित अधिकारी को भेजते हुए निर्देशित किया गया कि उक्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण समयान्तराल में किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

हैल्प एशियन फाउंडेशन की टीम ने गरीब बस्ती में किया भोजन पानी का वितरण

गाजियाबाद/डासना,करंट क्राइम। गाजियाबाद क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कार्यरत हैल्प एशियन फाउंडेशन संस्था ने तपती धूंप में बस्ती में जाकर गरीब लोगों में भोजन व पानी वितरण किया। हैल्प एशियन फाउंडेशन संस्था हमेशा जनहित के मुद्दों पर कार्य करती आ रही है तो वहीं डासना क्षेत्र की एक गरीब बस्ती में संस्था की टीम ने अपने हाथों से खाना बनाकर, पैकिंग कर गरीब बस्ती की झोपड़ियों में जाकर भोजन वितरण किया। संस्था के अध्यक्ष शकील अहमद ने कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए और हम आगे भी ऐसे कार्यक्रम लगातार करते रहेंगे। हैल्प एशियन फाउंडेशन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शकील अहमद, राष्ट्रीय सचिव चौधरी अफसर, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव अब्दुल सलाम, राष्ट्रीय अपर सचिव असलम सय्यद, राष्ट्रीय महासचिव शहजाद खान, जिला अध्यक्ष वसीम कुरेशी, जिला महासचिव मुफ्ती कासिम, मीडिया प्रभारी आरिफ चौधरी, समाजसेवी शाहीमीर चौधरी मसूरी, समाजसेवी माजिद चौधरी, समाजसेवी राशिद खान, डॉ. मुरसलीन, अशरफ चौधरी, दिलशाद, दानिश, सुहैल खान आदि लोगों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

न्यूज डायरी

वृंदावन गया युवक लापता

मोदीनगर, करंट क्राइम। एक युवक रहस्यमय ढंग से गायब हो गया। परिजनों ने बताया कि युवक घर से वृन्दावन जाने को कहकर निकला था। उसका मोबाइल फोन भी स्वीच ऑफ आ रहा है। पुलिस ने गायब युवक की गुमशुदगी दर्ज कर ली है। आदर्श नगर निवासी राजकुमार का 40 वर्षीय पुत्र सचिन शर्मा रविवार को घर से वृंदावन जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन जब वह अगले दिन तक वापस नही लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने बताया कि उनका मोबाइल फोन भी स्वीच ऑफ आ रहा है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने गायब युवक की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

सरेराह युवक का मोबाइल छीनकर भागे बदमाश

मोदीनगर,करंट क्राइम। पैदल जा रहे युवक के हाथ से बाइक सवार मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने इस बारे में थाने में तहरीर दी है। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है। सीकरी फाटक कॉलोनी निवासी बिट्टू गाजियाबाद में छोले, कुल्चे लगाने का काम करता है। रात को साढ़े आठ बजे वह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बस से पेट्रोल पंप के सामने उतरा। इसके बाद वह सीकरी खुर्द मार्ग पर पैदल ही जा रहा था। इसी बीच उसका मोबाइल बजा। फोन आने पर वह मोबाइल पर बात करने लगा। जब वह रेलवे फाटक के पास पहुंचा तो एक ही बाइक पर सवार तीन युवक आए और उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गए। पीड़ित ने काफी दूर तक बदमाशों का पीछा भी किया लेकिन वह हाथ नहीं आए। पुलिस बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

मोबाइल टॉवर से लाखों का सामान चोरी

मोदीनगर, करंट क्राइम। एक निजी कंपनी के मोबाइल टॉवर से लाखों का कीमती सामान बदमाश चोरी करके ले गए। सामान चोरी होने से क्षेत्र का मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। नगर की भूपेन्द्रपुरी कॉलोनी के बादल मार्केट में एक निजी कंपनी का मोबाइल टॉवर लगा हुआ है। कंपनी के फील्ड इंजीनियर विपिन कुमार ने बताया कि ये टॉवर मोदीनगर क्षेत्र में आता है। उन्होंने बताया कि बदमाश टावर परिसर में घुसकर लाखों की कीमत का सामान चोरी करके ले गए। सामान चोरी होने से क्षेत्र का मोबाइल टॉवर भी प्रभावित हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

राष्ट्रीय वाल्मीकि न्याय पंचायत की कार्यकारणी बैठक 23 को

मोदीनगर, करंट क्राइम। राष्ट्रीय वाल्मीकि न्याय पंचायत की आगामी 23 जून को मोदीनगर में होने वाली बैठक के संबंध में एक कार्ययोजना मुख्य पदाधिकारियों द्वारा तैयार की गई। कार्यकारिणी में वाल्मीकि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किये जाने व उन्हें शिक्षा के प्रति सजग करने आदि विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में संस्थापक अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता अमित तिसावड़, लीलू हांडा, सुनील चैटाला, अमित कराटे, आकाश प्रधान, बिल्लू सूद, कुणाल वाल्मीकि, अरुण वाल्मीकि, आयुष कुमार, अरुण कुमार उपस्थित रहे।

चले गए कमिश्नरेट से एक आईपीएस

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में लंबे समय तक एक आईपीएस अधिकारी ट्रेनिंग पर रहे। यहां उन्होंने वर्किंग से लेकर मैनेजमेंट के गुर भी सीखें। थाने का प्रभार से लेकर अलग-अलग एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ उन्होंने ट्रेनिंग भी ली। बीते दिनों कमिश्नरेट से गुप-चुप अंदाज में वो चले गए हैं। अब उनकी यह गुपचुप रवानगी के पीछे की वजह क्या है, इसकी चर्चा शुरू हो रही है। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम बनने के बाद वह दूसरे आईपीएस अधिकारी हैं जिनको विदाई नहीं दी गई। उधर कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि इससे पहले देहात के एक और आईपीएस अधिकारी थे जिन्हें विदाई वाला गिफ्ट नहीं मिला था। अमूमन पुलिस और सरकारी सेवाओं में अपनी नई तैनाती पर जाने से पूर्व अधिकारियों को विदाई दी जाती है। जिसमें सिस्टम के बड़े अधिकारी उनके के लिए विदाई समारोह आयोजित करते हैं।

उसमें तमाम तरीके की चर्चाएं शुभकामनाएं और खट्टे-मीठे अनुभव के साथ जलपान का भी प्रबंध होता है। पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि उनका इस अंदाज में यहां से जाना खुद उनको भी पसंद नहीं आया। सुनने में मिला है कि कमिश्नरेट स्तर के कई अधिकारियों को उम्मीद थी कि उनकी विदाई वाली पार्टी होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब यह वजह क्यों थी, यह भी स्पष्ट नहीं है लेकिन इससे पहले भी एक आईपीएस ऐसे रहे हैं जो बिना विदाई के यहां से रवाना हुए हैं। हालांकि कमिश्नरेट की कई विदाई पार्टी ऐसी भी हैं जिनकी अधिकारियों के बीच आज भी चर्चा होती है। इसमें डीसीपी स्तर के अधिकारी रहे हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में इन दिनों छोटी-छोटी तबादला लिस्ट की चर्चा जोरों पर हैं। देहात से लेकर शहर और शहर से लेकर नदियापार में बीते एक सप्ताह के दौरान छोटी-छोटी कई तबादला लिस्ट जारी हो चुकी हैं। इन तबादला लिस्ट को लेकर कई तरीके के खट्टे-मीठे अनुभव भी महकमें के लोग ही बतला रहे हैं। कुल मिलाकर आईपीएस अधिकारी का इस अंदाज से जाना कई एसीपी स्तर के अधिकारियों को भी हजम नहीं हो रहा है। उधर सूत्र बता रहे हैं कि वैसे उन्होंने यहां अपनी ट्रेनिंग के दौरान कई बेस्ट अधिकारियों के साथ काम किया और बेहतर अनुभव भी लेकर गए हैं। उनका सोशल मीडिया गाजियाबाद कमिश्नरेट से जाने और यहां की मेमोरीज को मिस करने की गवाही दे रहा है, पर विदाई नहीं होने वाली बात कुछ अटपटी सी लग रही है।

सीआईएसएफ के डीआईजी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने किया योग कार्यक्रम का शुभारम्भ

अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाना चाहिएः अभिनव गोपाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 15 जून से 21 जून 2024 तक मनाये जाने वाले दशम अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह के पांचवे दिन बुधवार को प्रातः 6 बज से 7 बजे तक सीआईएसएफ ग्राउण्ड इन्दिरापुरम में जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित योग अभ्यास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। आज के कार्य क्रम का उदघाटन सीआईएसएफ के डीआईजी एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने योग एवं आयुर्वेद की दैनिक जीवन में उपयोगिता एवं उससे होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला तथा उपस्थित योग साधकों से अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आहवान किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में अधिकारियों एवं जवानों के साथ-साथ जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारियों के अलावा आयुर्वेद विभाग के समस्त चिकित्साधिकारी,कर्मचारी उपस्थित रहे। योग कार्यक्रम में साधकों को आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक, अंकित त्यागी एवं सारिका सिंह द्वारा योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा० अशोक कुमार राना ने अतिथियों, अधिकारियों एवं योग साधकों को धन्यवाद देते हुए सभी से योग एवं आयुष विधा को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही 21 जून को रामलीला मैदान कविनगर गाजियाबाद में होने वाले मुख्य योग कार्यक्रम में प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक सम्मिलित होने का आहवान किया। कार्यक्रम का मंच संचालन पूनम शर्मा द्वारा किया गया।

सपा नेता इमरान रिजवान ने छोड़ दी साइकिल की सवारी

सपा से दिया इस्तीफा और खेलेंगे अगले दल में नई पारी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादियों की बात चले तो इमराज रिजवान का नाम आता है। इमराज रिजवान समाजवादी पार्टी के सक्रिय नेता रहे हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि वो पिछले दस सालों से सोशल मीडिया पर समाजवाद का झंडा बुलंद कर रहे है। चुनावों के समय वो पूरी तरह से एक्टिव रहते हैं। लोकसभा चुनाव में जब सुरेश बंसल चुनाव लड़े तो इमराज रिजवान ने सोशल मीडिया पर कामन संभाली। मेयर चुनाव में जब अभिषेक गर्ग की पत्नी राशि गर्ग चुनाव लड़ीं तो इमराज रिजवान चुनाव प्रचार में सबसे आगे रहे। सिकंदर यादव की पत्नी पूनम यादव जब मेयर का चुनाव लड़ीं तो इमराज रिजवान चुनाव कार्यालय से लेकर क्षेत्र में एक्टिव रहे। विधानसभा चुनाव में वो सुरेन्द्र मुन्नी के साथ थे। खास बात ये है कि पुराने शहर के रहने वाले इमराज रिजवान उन समाजवादी चेहरों में रहे हैं जो मुद्दों को लेकर सक्रिय रहते हैं। लेकिन इमराज रिजवान ने अपनी अनदेखी से नाराज होगर समाजवादी पार्टी को अलविदा कह दिया। उन्होंने सपा की सदस्यता से भी इस्तीफा देने का ऐलान किया। अब वो अगली पारी किस दल के साथ जारी करते हैं ये भी जल्द ही पता चल जायेगा। फिलहाल इमराज रिजवान ने इस्तीफा दे दिया है।

रावी सभा ने लगाई मीठे जल की छबील

साहिबाबाद, करंट क्राइम। निर्जला एकादशी के पर्व पर रावी सभा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति जनमानस कल्याण हेतु, आपका इस साल भी मीठे जल की छबील का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जगदीश चंद्र साधना, संयोजक हरबंस लाल मिगलानी, महामंत्री विजय छाबड़ा, कोषाध्यक्ष हंसराज रहेजा,उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ज्ञानदा, उपाध्यक्ष संजीव रहेजा, उपाध्यक्ष रमेश चंद्र बाठला ने मीठे जल वितरण का शुभारंभ करते हुए निर्जला एकादशी की सभी को हार्दिक बधाई दी। इस धर्म कार्य में रावी सभा के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने गाजियाबाद के अन्य प्रतिष्ठित सदस्यों के साथ इस धर्म कार्य में सहयोग एवं अपना योगदान देकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में रावी सभा के मेधावी छात्रों को उनके बोर्ड परीक्षा में 95% से अधिक अंक प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया! समर्थ आहूजा ने 96.2% एवं आरुषि साधना ने 95.4% बोर्ड परीक्षा में प्राप्त किए! इस उपलब्धि पर रावी सभा के इन दोनों मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह के साथ11,000/- रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप भेंट की गई।

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

मोदीनगर, करंट क्राइम। हरिद्वार से गंगा स्नान कर स्कूटी से लौटते समय गांव अबूपूर गेट के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी चालक व उसका मित्र गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली के सदर बाजार निवासी सन्नी व उसका मित्र पीयूष शर्मा ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर स्कूटी से हरिद्वार स्नान करने गये थे, जब वह सायं लौट रहे थे तभी लौटते समय जब वह गांव अबूपूर के निकट पहुंचे मेरठ की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये और स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गयी। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि घायल सन्नी की पत्नि चंचल की ओर से अज्ञात वाहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोषी वाहन चालक को ढूढ़ निकाला जाएगा।

वार्ड 79 के पार्षद कार्यालय पर बने आभा कार्ड

साहिबाबाद, करंट क्राइम। वार्ड 79 न्याय खंड एक इंदिरापुरम में स्थानीय पार्षद हरीश कड़ाकोटी के कार्यालय पर सोमवार उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप का आयोजन किया गया जिसमें आभा कार्ड बनाने वालों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपने कार्ड बनवाए। आधार कार्ड प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है, इसमें आने वाले समय में सभी नागरिकों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखा जाएगा और भी कई सुविधाएं इससे नागरिकों को मिलेंगी। पूरे भारत में बहुत तेजी से आभा कार्ड बनाने का कार्य चल रहा है। इसी क्रम में पार्षद के आग्रह पर डॉक्टर स्मृति के नेतृत्व में पूरी टीम ने लोगों के कार्ड बनाए। अब यह कैंप लोगों के आग्रह पर रविवार को भी न्याय खंड पार्षद कार्यालय पर लगाने के लिए उच्च अधिकारियों को स्थानीय पार्षद हरीश के कार्यालय पर लगाया जायेगा।

गंगनहर में नहाने समय युवक डूबा

गोताखोर व एनडीआरएफ की टीम चला रही सर्च अभियान

- परिजनों ने थाने पर किया हंगामा

मोदीनगर, करंट क्राइम। गंगनहर में नहाने के दौरान एक युवक डूब गया। युवक की तलाश में गोताखोर व एनडीआरएफ की टीम सर्च अभियान चलाये हुए है, लेकिन युवक का पता नहीं चल सका है, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोदीनगर के गांव बेगमाबाद निवासी राजकुमार कर्दम का 30 वर्षीय बेटा विशाल कर्दम गत 16 जून को मुरादनगर गंगनहर के सौंदा पुल के निकट सांय पांच बजे गंगनहर में नहाने के लिये अपने एक दोस्त के साथ पहुंचा था। जब वह नहा रहा था, बताया जा रहा है कि इस बीच विशाल कर्दम का पैर फिसल गया और वह तेज बहाव की चपेट में आ गया। यह देख वहां से गुजर रहे राहगीरों ने शोर मचाया। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर निवाड़ी पुलिस पंहुची और एनडीआरएफ के जवानों ने पहुंचकर विशाल कर्दम की तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। पुलिस ने गोताखोर भी बुलाए, लेकिन विशाल का अभी तक भी सुराग नहीं लग सका। उसकी तलाश में परिजनों के साथ ग्रामीण भी गंगनहर की खाक छान रहे हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में गमगीन माहौल बना हुआ है। उधर, अभी तक विशाल का कोई सुराग नहीं लग पाने पर भी ग्रामीणों के बीच निराशा पनप रही है। इससे गुस्साये परिजनों व गामीणों ने थाने पर जमकर हंगामा किया। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि गोताखोर व एनडीआरएफ की टीम लगी हुई है, जल्दी ही पता लगा लिया जायेगा।

बेटी की हत्या में नामजदों पर नहीं हुई कार्रवाई, पुलिस पर संदेह,मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। थाना सिहानी गेट के पटेल नगर ए-38 निवासी सुंदर जीनवाल पुत्र प्रेमराज ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आईएएस की परीक्षा दे रही अपनी बेटी की उसकी ससुराल में हत्या करने और मेरठ पुलिस की कारगुजारियों के कारण दोषियों को सजा ना दिये जाने के सम्बंध में पत्र लिखा है। पत्र में सुंदर जीनवाल ने कहा है कि वह भाजपा का पुराना कार्यकर्ता है और बूथ अध्यक्ष भी है। जीनवाल ने कहा है कि उसने अपनी बेटी सिमरन की शादी 18 फरवरी 2024 को मेडिकल थाना क्षेत्र मेरठ निवासी सूरज पुत्र सत्यपाल के साथ की थी,अच्छी शादी की थी, वर पक्ष के मनमाफिक दहेज भी दिया था। तान माह बीतने के बाद उन्हें फोन पर उनकी बेटी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की खबर दी गई। सुंदर जीनवाल ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि पुलिस ने इस प्रकरण में 498-ए, 304बी, दहेज अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने सिमरन के पति सूरज को गिरफतार कर जेल भेज दिया,जबकि हमारे द्वारा पांच लोगों के खिलाफ रिर्पोट लिखाई गई थी। रिर्पोट में सिमरन के ससुर सत्यपाल, सास सुनीता, जेठ सागर, जेठानी प्रिया को नामजद कराया गया था लेकिन पुलिस ने केवल सूरज को गिरफ्तार कर पूरे पुलिस सिस्टम पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। सुंदर जीनवाल ने कहा है कि उनकी पुत्री आईएएस की तैयारी कर रही थी। इस मामले में सिमरनके ननदोई एसआई दिल्ली पुलिस और ननद केलिप्त होने काभी आरोप लगाया गया है। जीनवाल ने मुख्यमंत्री से पुलिस की किसी अन्यसंस्था से जांच कराकर गाजियाबाद कोर्ट में मुकदमा स्थानांतरित कराने की मांग की है।उन्होंने सिमरन की हत्या करने का भी ससुराल पक्ष पर आरोप लगाया है।

दुनिया भर में वायु प्रदूषण के कहर की भेंट चढ़ रहे लोग

वाशिंगटन। अगर 21वीं सदी को विकास के लिहाज से एशिया की सदी कहा जाता है तो इसे समस्याओं की सदी कहना भी गलत नहीं होगा। खासकर जब बात पर्यावरण, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की हो तो। आज प्रदूषण की समस्या से भारत जैसे विकासशील देश जूझ रहे हैं। इसकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि दुनियाभर में साल 2021 में वायु प्रदूषण के कारण 81 लाख लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी।

2021 में विश्व भर में 81 लाख और भारत में 23 लाख लोगों ने जान गंवाई : रिपोर्ट

बच्चों को लील गया प्रदूषण : यूनिसेफ के साथ साझेदारी में अमेरिका स्थित एक स्वतंत्र शोध संगठन हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (एचईआई) ने बुधवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि तीन साल पहले चीन में 21 लाख और भारत में 23 लाख लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते हुई। वहीं, वायु प्रदूषण का कहर बच्चों पर भी बरपा था। भारत में पांच साल से कम उम्र के 1,69,400 बच्चों की मौत हुई थी। इसके बाद नाइजीरिया में 1,14,100, पाकिस्तान में 68,100, इथोपिया में 31,100 और बांग्लादेश में 19,100 बच्चों की जान गई थी।

यह भी जान जानें का कारण

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हाई ब्लड प्रेशर, आहार और तंबाकू जैसे कारक मौत का कारण बन रहे हैं। साल 2021 में किसी भी पिछले वर्ष के अनुमान की तुलना में वायु प्रदूषण से जुड़ी अधिक मौतें देखी गईं। एक अरब से अधिक आबादी वाले भारत और चीन दोनों मिलकर कुल वैश्विक रोग भार का 54 प्रतिशत हिस्सा हैं।

78 लाख लोगों की जान का कारण पीएम 2.5

रिपोर्ट में बताया गया कि पीएम 2.5 और ओजोन से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण 2021 में 81 लाख मौतें होने का अनुमान है - जो कुल वैश्विक मौतों का लगभग 12 प्रतिशत है। वैश्विक वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों में से 90 प्रतिशत से अधिक यानी 78 लाख लोगों की जान पीएम 2.5 वायु प्रदूषण के कारण जाती है, जिसमें परिवेशी पीएम 2.5 और घरेलू वायु प्रदूषण भी शामिल है।

क्या है वायु प्रदूषण?

ये सूक्ष्म कण, जिनका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर से भी कम है, इतने छोटे होते हैं कि वे फेफड़ों में रह जाते हैं और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे कई अंग प्रणालियां प्रभावित होती हैं और वयस्कों में हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह, फेफड़ों का कैंसर और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी गैर-संचारी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है।

इन देशों पर भी पड़ा सबसे ज्यादा असर

देश	मौतें	देश	मौतें
पाकिस्तान	2,56,000	वियतनाम	99,700
बांग्लादेश	2,36,300	फिलीपींस	98,209
म्यांमार	1,01,600	नाइजीरिया	2,06,700
इंडोनेशिया	2,21,600	मिस्र	1,16,500

प्रदूषण का स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर

एचईआई की अध्यक्ष एलेना क्राफ्ट ने कहना है कि हमें उम्मीद है कि हमारी स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट बदलाव के लिए जानकारी और प्रेरणा दोनों प्रदान करेगी। वहीं, एचईआई की वैश्विक स्वास्थ्य प्रमुख पल्लवी पंत ने कहा कि वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर पड़ता है। यह नई रिपोर्ट मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के महत्वपूर्ण प्रभावों की याद दिलाती है, जिसमें युवा बच्चों, वृद्ध आबादी और निम्न- और मध्यम-आय वाले देशों पर बहुत अधिक बोझ पड़ता है।

मंगफ अग्निकांड : पीड़ितों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

12.5 लाख रुपये देगी कुवैत सरकार, दूतावास से मिलेगी रकम

कुवैत। कुवैती सरकार दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगफ इलाके में लगी आग के पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा देगी। इस आग में 50 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 46 भारतीय भी शामिल थे। कुवैती मीडिया की रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। कुवैती अधिकारियों के अनुसार, मंगफ शहर में बीती 12 जून को सात मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर गार्ड के कमरे में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

इस इमारत में 196 प्रवासी कामगार रहते थे, जिनमें से ज्यादातर भारतीय थे। अरब टाइम्स अखबार ने मंगलवार को बताया कि कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के आदेश पर, पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा मिलेगा। सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और पीड़ितों के दूतावासों को भेज दी जाएगी। मरने वालों में 46 भारतीय थे। तीन अन्य मृतक फिलिपींस से थे, और पीड़ितों में से एक की पहचान नहीं हो पाई है।

46 भारतीयों की हुई थी मौत

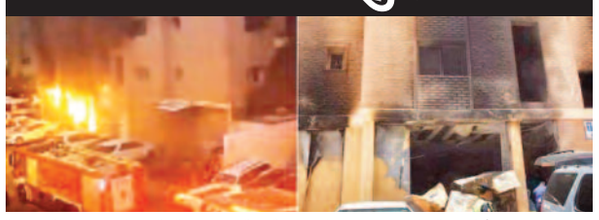

संबंधित पीड़ितों के दूतावासों को वितरित की जाएगी धनराशि : रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित दूतावास यह सुनिश्चित करेंगे कि आग से प्रभावित लोगों के परिवारों को धनराशि वितरित की जाए, प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ितों के परिवारों तक सहायता तुरंत पहुंचे। अखबार ने कहा, 'इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों की सहायता करना है।' भारत सरकार ने भीषण आग में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। केरल सरकार ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह आग त्रासदी में मरने वाले राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

त्रासदी में मरने वाले भारतीयों में 24 केरल के निवासी थे। कुवैत की सरकार ने घटना की जांच शुरू कर दी है। कुवैत के सरकारी वकील ने एक्स पर कहा कि जांच का उद्देश्य घटना के पीछे की परिस्थितियों को उजागर करना है और यह पता लगाना है कि किस वजह से घातक आग लगी।

मक्का में भीषण गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 50 डिग्री के पार तापमान, अब तक 550 जायरीनों की मौत

यरुशलम। इस साल गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार तक जा चुका है। चिलचिलाती धूप से हर कोई परेशान हैं। वहीं, यह गर्मी हज यात्रियों के लिए मुसीबत बन गई है। अब तक हज यात्रा के दौरान कम से कम 550 जायरीनों की मौत हो गई है। यह जानकारी राजनयिकों ने मंगलवार को दी।

मरने वालों में मिस्र के सबसे ज्यादा नागरिक शामिल

दो अरब राजनयिकों ने जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश की मौत गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण हुई है। वहीं मरने वालों में अकेले मिस्र के 323 नागरिक हैं। वहीं, एक राजनयिक ने बताया कि सभी जायरीनों की भीषण गर्मी के कारण जान गई है। सिवाय एक शख्स के जो भीड़ में बुरी तरह से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि कुल आंकड़े मक्का के पास अल-मुआइसिम में स्थित अस्पताल के मुर्दाघर से हासिल हुए हैं।

जॉर्डन के इतने लोगों की मौत

वहीं, सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 60 जायरीनों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। मंगलवार को अम्मान द्वारा आधिकारिक तौर पर 41 लोगों की मौत की जानकारी दी गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन नई मौतों के साथ ही कई देशों द्वारा अब तक बताई गई कुल मौतों की संख्या 577 हो गई है।

लाखों जायरीन कर रहे हज की यात्रा

हज, दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में शुमार है। इसे इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि सभी मुसलमानों को कम से कम एक बार हज की यात्रा पर जरूर जाना चाहिए। वार्षिक हज यात्रा के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला गया है, जिसमें इस वर्ष लगभग 18 लाख मुसलमान भाग ले रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

पिछले महीने प्रकाशित एक सऊदी अध्ययन के अनुसार, हज यात्रा पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है। जिस क्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, वहां का तापमान हर दशक में 0.4 डिग्री सेल्सियस (0.72 डिग्री फारेनहाइट) बढ़ रहा है।

सऊदी राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि सोमवार को मक्का की बड़ी मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस (125 फारेनहाइट) तक पहुंच गया है।

जी-7 में पीएम मोदी से मिलकर बदले ट्रूडो के सुर

बोले- भारत के साथ कई बड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे

ओटावा। द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास के बाद इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात के बाद कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के सुर बदले हैं। मोदी से मिलने के बाद ट्रूडो बोले, भारत के साथ कई बड़े मुद्दों पर हम साथ हैं। यह आर्थिक-राष्ट्रीय सुरक्षा पर भारत की नई सरकार से चर्चा का मौका है।

गत वर्ष सितंबर से दोनों देशों में जारी अनबन के बीच यह दोनों प्रधानमंत्रियों की पहली मुलाकात थी। जी-7 से लौटकर ट्रूडो ने कहा, शिखर सम्मेलन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपको विभिन्न नेताओं से सीधे बात करने का मौका मिलता है। भारत के साथ, हमारे लोगों के बीच गहरे संबंध हैं। कई बड़े मुद्दों पर सहमति है जिन पर हमें वैश्विक समुदाय के तौर पर एक लोकतंत्र के रूप में काम करने की

जरूरत है। लेकिन अब जब मोदी चुनाव जीत चुके हैं, तो मुझे लगता है कि हमारे लिए बातचीत करने का मौका है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा व कनाडाई लोगों की सुरक्षा और कानून के शासन से जुड़े कुछ बहुत गंभीर मुद्दे शामिल हैं। हम इन मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मोदी को आमंत्रित करने पर दिया था ये जवाब : इससे पहले यह पूछे जाने पर कि क्या कनाडा प्रधानमंत्री मोदी को अगले साल शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने पर विचार करेगा, ट्रूडो ने कहा, कनाडा के लोग जी-7 की मेजबानी के लिए इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, इस साल के बाकी महीनों के लिए इटली जी-7 का अध्यक्ष है। मैं प्रधानमंत्री मेलोनी और जी-7 भागदीरों के साथ उन मुद्दों पर काम करने को लेकर उत्सुक हैं, जिनके बारे में हमने बात की है। अगले साल जब हम जी-7 की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे, तो हमारे पर इसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ होगा।

2025 का शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा के कनानासकिसी में आयोजित होगा। इस साल, जी-7 शिखर सम्मेलन 13 से 15 जून तक इटली के अपुलिया क्षेत्र में हुआ। इस सम्मेलन में यूरोपीय संघ के साथ-साथअमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जापान, इटली, जर्मनी और फ्रांस के शीर्ष नेता शामिल हुए।

ईरान में 4.9 तीव्रता से आया भूकंप, चार लोगों की मौत

ईरान। ईरान के उत्तरपूर्वी शहर कशमार में मंगलवार को आए भूकंप से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि, 120 लोग घायल हो गए। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.9 आंकी गई। कसमार के गवर्नर हाजातुल्लाह शरीयतमादारी ने भूकंप से हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि भूकंप दोपहर 1:24 बजे आया।

शरीयतमादारी ने कहा, 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से शहरी और ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर जर्जर इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप 10 किलोमीटर (छह मील) की गहराई पर आया। भूकंप से हुए नुकसान के बाद सरकारी टेलीविजन ने फुटेज प्रसारित की, जिसमें इमारतें मलबे में तब्दील दिखाई गईं। वहीं, लोगों को मलबा हटाते और सड़कों पर काम करते हुए दिखाया गया।

कैंसर से लड़ रहीं केट के स्वास्थ्य पर 'ट्रूपिंग द कलर' का बुरा प्रभाव

लंदन। बकिंघम पैलेस में आयोजित हुए 'ट्रूपिंग द कलर' कार्यक्रम में शामिल होने के कारण कैंसर से जूझ रहीं केट मिडलटन के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है। शाही परिवार के विशेषज्ञ ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है।

कैंसर से जूझ रहीं केट केट मिडलटन ने लाइम लाइट से दूर रहने का फैसला किया था। लेकिन किंग चार्ल्स के जन्मदिन पर शनिवार को ह्यट्रूपिंग द कलरह्ल समारोह में शामिल होने के बाद वह फिर फोकस में आ गईं। जिसने उनके प्रशंसकों में उत्साह भर दिया। लेकिन अब उनके स्वास्थ्य को लेकर खबर आने से एक बार फिर यह सुर्खियां बन गया है।

पहले किंग के जन्मदिन समारोह में ना शामिल होने का फैसला लिया था : वेल्स की 42 वर्षीय राजकुमारी कैंसर से लगातार लड़ाई लगातार लड़ रही हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के दौरान उनकी हालिया सार्वजनिक उपस्थिति ने कथित तौर पर उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। पहले मिडलटन ने घोषणा की थी कि वह किंग के जन्मदिन समारोह में अपने परिवार के साथ शामिल नहीं होंगी। लेकिन बाद में अपना फैसला बदलते हुए वह कार्यक्रम में शामिल हुईं,जिसका उन्के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है और उनकी नाजुक स्थिति ने तनावपूर्ण माहौल बना दिया है।

सर्जरी के दौरान पता चली थी कैंसर की बात : मिडलटन पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं थीं, लेकिन सर्जरी के दौरान ही उन्हें कैंसर से पीड़ित होने का पता चला।

वर्जीनिया प्राइमरी चुनाव में जीते भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम

वाशिंगटन। भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया राज्य में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की है। सुहास सुब्रमण्यम ने 11 अन्य उम्मीदवारों को पछाड़कर वर्जीनिया सीट से दावेदारी जीती है। जिन 11 उम्मीदवारों को सुहास ने पछाड़ा है, उनमें भारतीय मूल की क्रिस्टल कौल भी शामिल हैं। सुहास सुब्रमण्यम पहले भारतीय मूल के, दक्षिण एशियाई मूल के और पहले हिंदू नेता हैं, जो साल 2019 में वर्जीनिया जनरल असेंबली के चुनाव में चुने गए थे।

पहले भी राजनीति में सक्रिय रहे हैं सुहास

सुहास सुब्रमण्यम वर्जीनिया स्टेट सीनेट के लिए भी साल 2023 में निर्वाचित हो चुके हैं। अब सुब्रमण्यम वर्जीनिया सीट से यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के लिए चुनाव लड़ेंगे। गौरतलब है कि वर्जीनिया सीट पर बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, ऐसे में सुहास सुब्रमण्यम की दावेदारी खासी मजबूत मानी जा रही है।

वर्जीनिया सीट से मौजूदा सांसद जेनिफर वैक्सटन हैं, लेकिन बीते साल उन्होंने एलान किया था कि वह 2024 का चुनाव नहीं लड़ेंगी। वैक्सटन ने भी सुब्रमण्यम की दावेदारी का समर्थन किया था। अब सुहास का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लेंसी से होगा।

बेंगलुरु से है नाता

सुहास सुब्रमण्यम (37 वर्षीय) का जन्म ह्यूस्टन में हुआ था। सुहास के माता-पिता बंगलूरू से अमेरिका शिफ्ट हुए थे। साल 2015 में सुहास को तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में टेक्नोलॉजी पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किया था। मीडिया के साथ बातचीत में सुहास ने हा कि 'वह अमेरिका के बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस का चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस समस्याएं सुलझाने और भविष्य के प्रति सचेत होने के लिए है। हम सिर्फ अगले दो या तीन वर्षों के लिए कानून नहीं बनाएंगे बल्कि ये अगले 20-30 साल रहेंगे। मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे एक बेहतर समाज और एक बेहतर दुनिया में रहें।'

कनाडा की संसद में आतंकी की याद में रखा गया मौन

भारत ने भी उसी भाषा में दिया जवाब

ओटावा। भारत के बार-बार कहने के बावजूद कनाडा अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल कनाडा की सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। ताजा मामला हरदीप सिंह निज्जर से जुड़ा है। दरअसल कनाडा की संसद में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया, जिसके जवाब में भारत ने भी कनाडा को उसी भाषा में जवाब दिया है। कनाडा के वैंकुवर स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास ने 23 जून को एयर इंडिया आंतकी हमले की याद में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन का एलान किया है।

एयर इंडिया विमान हमले की बरसी मनाएगा भारतीय वाणिज्य दूतावास : वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'भारत, आतंकवाद के पागलपन के खिलाफ है और इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। 23 जून 2024 को एयर इंडिया फ्लाइट 182 (कनिष्क) पर हुए कायराना आतंकी हमले की 39वीं बरसी है, जिसमें 329 मासूम लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में 86 बच्चे भी थे।

यह नागरिक उड्डयन के इतिहास की सबसे घिनौनी आतंकी घटनाओं में से एक है। 23 जून, 2024 को वैंकुवर में स्टैनले पार्क में एयर इंडिया मेमोरियल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा।

ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय मूल के लोगों को इस कार्यक्रम में आकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखानी चाहिए।

खैबर पख्तूनख्वा में बंदूकधारियों ने की पत्रकार की हत्या

मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वरिष्ठ पत्रकार की उनके घर के पास हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खलील जिब्रान एक निजी समाचार चैनल 'खैबर न्यूज' से जुड़े हुए थे। मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने उन्हें उस समय निशाना बनाया जब वह खैबर जिले के लांडी कोटल शहर में अपने दोस्त के साथ अपने घर की ओर जा रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि घर के पास ही पत्रकार की कार में खराबी आई। तभी बंदूकधारियों ने उन्हें घेर लिया और कार से खींचकर बाहर निकाला और फि उन पर गोलियां चलाी शुरू कर दीं।

उन्होंने बताया कि लांडी कोटल प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष जिब्रान की

साथी पत्रकारों ने खैबर-पाक-अफगान राजमार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया, जिब्रान का शव भी रखा गया

मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनका वकील मित्र घायल हो गया। अपराधी मौके पर फरार हो गए।

उन्होंने बताया कि जिब्रान को आंतकवादियों से भी धमकियां मिली थीं। इस बीच, मृतक पत्रकार को उनके पैतृक गांव सुल्तान खेल में दफनाया गया। उनके साथी पत्रकारों ने खैबर-पाक-अफगान राजमार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान जिब्रान का शव भी रखा गया था। प्रदर्शनकारियों ने पत्रकार के हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी करने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पत्रकार की हत्या के पीछे के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। वहीं, एसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एडिटर्स एंड न्यूज डायरेक्टर्स (एईएमईएनडी) ने हत्या की कड़ी निंदा की और सरकार से जिब्रान के हत्यारों को न्याय के कटघरे में लाने को कहा। इस संगठन ने एक बयान में इस तरह की घटनाओं को रोकने में उच्च अधिकारियों की नाकामी की आलोचना की।

पिछले महीने सिंधी अखबार के एक अन्य पत्रकार नसरुल्ला गदानी को अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने कोरई गोठ के पास निशाना बनाया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया था।

पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने सपत्नीक किया एकादशी का उद्यापन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी तथा उनकी पत्नी पूर्व विधायक हेमलता चौधरी ने एकादशी व्रत का उद्यापन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने राजनगर स्थित आवास पर एक भंडारे का आयोजन किया। इस भंडारे में समाज के गणमान्य लोग भी पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया।

धार्मिक और जातीय राजनीति से हटकर मुद्दों की बात करते हैं राहुल गांधी : विजय चौधरी

राहुल गांधी जल्द बनेंगे देश के प्रधानमंत्री: नरेंद्र भारद्वाज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। घंटाघर कंपनी बाग स्थित महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर अध्यक्ष विजय चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर अपने जनप्रिय नेता राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी, पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा , पूर्व प्रदेश सचिव नसीम खान , पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अजय वर्मा , विजय पाल चौधरी जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग एवं सदस्य उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी , कांग्रेस नेता त्रिलोक सिंह , पार्षद कुलभूषण मोनू आदि ने संबोधित करते हुए राहुल गांधी की राजनीतिक विचारधारा पर प्रकाश डाला। जन्मदिन के अवसर पर पूरा महानगर कार्यालय राहुल गांधी जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा।

इस मौके पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि देश में जब धार्मिक और जातीय राजनीति का बोलबाला रहा उस समय राहुल गांधी ही थे जिन्होंने ऐसी ओछी जातीय राजनीति को दरकिनार करते हुए मुद्दों की बात की। इसी कारण राहुल गांधी से प्रभावित होकर उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा जैसी सांप्रदायिक पार्टी को नकारते हुए गठबंधन को आधी से अधिक सीट दी है। पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि सांसद राहुल गांधी जल्द देश के प्रधानमंत्री बनेंगे और देश में केवल राहुल गांधी की राजनीति रहेगी, धर्म और जाति के नाम पर राजनीति करने वाले राजनीति में समाप्त हो जायेंगे। पूर्व मंत्री सतीश शर्मा ने राहुल गांधी की लंबी आयु की प्रार्थना करते हुए कहा कि हम सबको मिलकर राहुल गांधी को मजबूत करना चाहिए। पूर्व प्रदेश सचिव नसीम खान ने कहा कि राहुल गांधी ही एक ऐसे नेता हैं जिन्हें बच्चे , युवा , बूढ़े और सभी धर्म और जातियों के लोग प्यार करते हैं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता संजय सिरोही, बाबू राम शर्मा , दिवाकर, सिराजुद्दीन , बलराज सिंह चावड़ा , पूर्व जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस अमित यादव ,प्यारा चौधरी , कपिल यादव , आशिफ सिद्दीकी , सलमान डासना , सलमान मंसूरी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष,कासिम प्रधान , महेंद्र गौतम , हुमायुं मिर्जा ,हाजी खुर्शीद रंगरेज , राम शर्मा , प्रेम प्रकाश चीनी , विक्रांत चौधरी ,एडवोकेट विक्रांत प्रसाद , लक्ष्मण , कृष्ण गौतम , लोनी युवा विधानसभा अध्यक्ष अमजद इदरीसी , सचिन यादव , प्रशांत शर्मा ,पवन शर्मा , अजीज सैफी , आशु, जफर , शमसुद्दीन सूफी आदि शामिल रहे।

अनिल सांवरिया ने किया घंटाघर पुरानी मुन्सिफी मार्केट में बोरिंग का उद्घाटन

गाजियाबाद,करंट क्राइम। पुरानी मुन्सिफी घंटाघर व्यापारी एशोसिशन ने पानी की समस्या से निजात पाने के लिए अपनी मार्केट के लिए नगर निगम के माध्यम से बोरिंग कराया।

बोरिंग का उद्घाटन एसोसियेशन के चेयरमेन अनिल अग्रवाल सांवरिया ने किया। इस अवसर पर वार्ड 59 के पार्षद राजीव शर्मा, व्यापारी एसोसियेशन के चेयरमैन अनिल अग्रवाल सांवरिया, अध्यक्ष भारत गोयल, वाइस चेयरमैन विजय गर्ग, महामंत्री आनंद गुप्ता, संयुक्त महामंत्री दीपक गर्ग (सोनू),कोषाध्यक्ष रोहित गर्ग, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुबोध गर्ग ,पवन अग्रवाल, पंकज जैन ,उपाध्यक्ष नरेश अरोड़ा हिमांशु सिंहल. संजय मित्तल,योगेश गुप्ता, भानु गोयल,मुकुल गोयल,निखिल गर्ग,रोशी गुप्ता,राजेन्द्र गोयल, अनिल गोयल, अमित गर्ग, मोहित गर्ग,बंटी सिंघल ,सुभाष गोयल आदि सभी व्यापारी मौजूद रहे।

लोहा मंडी में आज लगेगा आधार,आय प्रमाण पत्र और राशन कार्ड के लिए निशुल्क कैंप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोहा विक्रेता मंडल के तत्वावधान में आज 20 जून को 108 लोहा मंडी पर कर्मचारियों, मजदूरों, गरीबों और जरूरतमंदों के लिए आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र और राशन कार्ड बनवाने के लिए एक नि:शुल्क कैंप लगाया जाएगा। कैंप के लगने से लोहा मंडी क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों के जरूरतमंदों को सुविधा लाभ मिल सकेगा। गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष डॉ.अतुल कुमार जैन ने बताया कि इस तरह की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों और गरीबों तक पहुंच सके, इसलिए इस तरह के कार्य संस्था लगातार करती रहती है और राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए जागरूकता बढ़ाने वाले लगातार कार्य करती है। श्री जैन ने बताया कि आगे भी स्वास्थ्य संबंधी कैंप और अन्य लाभकारी योजनाओं के लिए कैंप का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र और राशन कार्ड इत्यादि बनाने में किसी को कोई भी परेशानी आ रही हो उसका सुगमता से समाधान किया जाएगा।

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम आपको बता रहे हैं 2022 वाले विधानसभा चुनाव की बात? हम देखते थे एक उम्मीदवार गाड़ी के बोनट पर कबाब रखकर पीता था शराब? हमको इस उम्मीदवार की अदा नहीं लगती थी ठीक? इनके आचार-विचार देख कर पता चल गया था कि ये नहीं पहुंचेंगे दूर-दूर तक जीत के नजदीक? सुना है ये फिर कर रहे हैं चुनाव लड़ने की तैयारी? बस हम इनको यही कहना चाहते हैं कि इतना खुलकर बिल्कुल ना खेलें? अगर हो गया वीडियो जारी तो भस्म हो जायेगी राजनीति की पारी?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बार ईद पर बदले-बदले से दिख रहे थे गाजियाबाद में पुलिस प्रशासनिक गतिविधियों के हालात? हमने देखा पहले जहां ईदगाह पर नजर आ जाया करते थे बड़े-बड़े आईएएस-आईपीएस अधिकारी? इस बार वो यहां पर नजर नहीं आये साहब? इतना ही नहीं यहां पर आने से एक जनप्रतिनिधि भी बना गये दूरी? हो सकता है सब कुछ बाई चांस रहा हो, या फिर रही हो दूरियां दिखाने के पीछे कोई बड़ी वाली मजबूरी?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि मुझे याद आ रही है डॉली दीदी के चुनाव की बात? एक मौका आया था जब साइकिल वाले राहुल भैया और पूर्व विधायक मुन्नी जी एक कार्यक्रम में नजर आ रहे थे साथ-साथ? सुना हैं यहां पर राहुल भैया ने एक पूर्व क्रान्तिकारी मुस्लिम पार्षद से कही थी डॉली मैडम को समर्थन देने की बात? तब इन पूर्व पार्षद ने तपाक से दिया था राहुल भैया को नामी जवाब? कहा था हमें समझ नहीं आ रहा कि आखिर किस बेस पर मांग रहे हो आप हमसे सपोर्ट? जब हमें जरूरत थी कार्यकारिणी चुनाव में आपकी, तब आप डलवा रहे थे कल्लन भैया के लिए वोट? कुछ भी हो जाये हम नहीं मानेगें आपकी बात? चाहे तो हमारे शब्दों को आप भविष्य के लिए कर लो नोट?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बार कैला भट्टा में दिखाई दे रही थी एक भगवा वैश्य दावेदार की काफी बहार? सुना है इन भगवा वैश्य दावेदार ने क्षेत्र के मजबूत मुस्लिम लोगों को भेजे थे ईद पर मिठाइयां और उपहार? उनके गिफ्ट की हो रही है हर जगह चर्चाएं? अगर मिल गया इन वैश्य चेहरे को टिकट? तो हो सकता है कि इनके प्यार पर कैला भट्टा के वोट एकतरफा इनको ना डल जायें?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम आपको बता रहे हैं अंदर की बात? पूर्व पार्षद जाकिर सैफी लड़ेंगे विधानसभा का उपचुनाव? हमें पता चला है इन्होंने आम आदमी पार्टी से साधना शुरू कर दिया है सम्पर्क? इन्होंने अब बना ली है योजना बड़ा चुनाव लड़ने की? इसलिए अब नहीं पड़ा है इनकी सेहत पर कोई भी फर्क? कहने वाले ने कहा जाकिर भैया के चुनाव लड़ने से रोचक होंगी घटनाएं? घाटा वो गठबंधन वालों को ही देंगे, चाहे कुछ भी हो जाये?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि लोनी का युवा ठाकुर नेता इन दिनों है बहुत ज्यादा परेशान? सुना है कुल में दीप जलाने वाले आजकल नहीं दे रहे हैं इसके फोन कॉल पर ध्यान? इसने कहीं रखे थे अपने दिल के जज्बात? कहा था हम तो 100 प्रतिशत थे कुल में दीप जलाने वालों के साथ? फिर क्यों नहीं उठा रहे हैं वो हमारे फोन? जब फोन मिलाते हैं अंगेज जाती है उनकी टोन? क्या उन्होनें अब खुद को गाजियाबाद की राजनीति से कर लिया है गो वैंट और गौन?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही बदल गया हो गाजियाबाद से लोकसभा का चेहरा? मगर नहीं बदले हैं यहां पर पुराने वाले हालात? हमने देखा गाजियाबाद में बड़े स्तर पर होने वाला है एक योग का कार्यक्रम? जिसमें मोदी जी नजर आ रहे हैं, अनिल अग्रवाल जी नजर आ रहे हैं, संजीव शर्मा जी नजर आ रहे हैं मगर इसके प्रचार की सामग्री में नजर नहीं आ रहे हैं गर्ग साहब? सुना है इस कार्यक्रम का कर रहे हैं हापुड़ वाले युवा शर्मा अभिषेक? अब वो ही बता सकते हैं कि ऐसी क्या वजह रही जो गर्ग साहब के फोटो को वो नहीं दे पाये स्पेस?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम गर्ग साहब को देना चाहते हैं सलाह? कि विधानसभा के वैश्य कोटे में वो दे दें विभू भैया को आशीर्वाद, कर दें उनका भला? हमने देखा वो काउंटिग के एक दिन पहले तक दिलवा रहे थे गर्ग साहब को आठ लाख वोटों से जीत? अपने इस आंकड़े के आस-पास किसी को भी नहीं आने दे रहे थे वो करीब? जो भी आठ लाख से नीचे करता था बात? विभू भैया हो जाते थे उससे बहुत ज्यादा नाराज? अगर कोई शिद्दत से इतना चाहने वाला हो, तो उसके लिए तो गर्ग साहब को करनी ही चाहिए प्रयास?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम तो सोच रहे थे राजनगर के अतिक्रमण को हटाने के लिए जारी रहेगी भाजपा पार्षद प्रवीण चौधरी की मुहीम? आरडीसी में इस मुहीम का दिखाई दिया था हमें मुर्गे वाले की दुकान का सीन? मगर इस सीन के बाद फिर नहीं दिखाई दिया कोई कार्यवाही वाला सीन? या तो चौधरी साहब के तेवर से बाकी अतिक्रमण वाले डर गये? या फिर भविष्य में कार्यवाही होने वाली है इससे भी ज्यादा संगीन?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि चलो माना कि भगवा मैडम उदिता ने शहर विधानसभा से दावेदारी नहीं करने का कर दिया है ऐलान? मगर हम यहां पर सामने लाना चाहते हैं मैडम कौशिक का ध्यान? हम देखना चाहते हैं कि क्या वो जनरली करेंगी इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी? या फिर एहसास करायेंगी कि अब वो शिद्दत से नहीं खेलना चाहतीं हैं राजनीति की पारी? वैसे भी इस सीट पर ब्राह्मण चेहरे को चुनाव लड़ाने की हैं चर्चाएं? फिर क्यों खामोश होकर मैडम कौशिक है खुद को दिखा रहीं?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

शोक संदेश

स्व० श्री कृष्ण कुमार त्यागी जी

आपको अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी श्री कृष्ण कुमार त्यागी जी पुत्र स्व. श्री शौनाथ सिंह त्यागी का स्वर्गवास दिनांक 11/06/2024 दिन मंगलवार को हो गया है। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। जिनकी रस्म पगडी दिनांक 23/06/2024 दिन रविवार को हमारे निज निवास पर होनी निश्चित हुई है।

!! कार्यक्रम स्थल !!

सेक्टर बी-1, प्लॉट नं सी-194, ट्रोनिका सिटी, लोनी गाजियाबाद

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी

हवन.......................................प्रातः 8.00 बजे
ब्रहमभोज..................................प्रातः 10.00 बजे
रस्म पगड़ी...............................दोपहर 2.00 बजे

!! शोकाकुल परिवार !!

बसंत त्यागी (पुत्र) प्रदेश मंत्री भाजपा
ममता बसंत त्यागी (पुत्र वधू) अध्यक्ष जिला पंचायत गजियाबाद
(M) 9310145567, 8505995097

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पिता के प्रति एक बेटे के जज्बात बहुत कम शब्दों में व्यक्त होते हैं लेकिन जब ये अभिव्यक्त होते हैं तो रिश्ता भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ सामने आता है। बीजेपी के महेंद्र चौधरी ने अपने स्वर्गीय पिता की 28वी पुण्यतिथि पर विशेष रूप से उन्हें नमन किया। एक बेटे ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर अपनी श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए लिखा कि पापा आप जहां भी हों प्रसन्न हो। मैं हमेशा आपकी कमी महसूस करता हूं, मैं आपको प्यार करता हूं। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

संदिग्ध अवस्था में मिले पिता और पुत्र के शव, मचा हड़कंप

लोनी, करंट क्राइम। थाना अंकुर विहार इलाके की सरला विहार कॉलोनी में पिता, पुत्र का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव उनके ही घर में चारपाई पर पड़े मिले, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि सुबह लगभग 8 :30 बजे सरला विहार कॉलोनी से पुलिस को सूचना मिली कि पिता पुत्र के शव उसके ही घर पर पड़े हुए हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो पिता पुत्र के शव घर में ही पड़े हुए थे पुलिस ने जानकारी हासिल की तो पता चला कि ओम प्रकाश 65 वर्ष सरला विहार कॉलोनी में कई वर्षों से निवास कर रहे थे, उनके दो पुत्र तथा एक पुत्री है, पुत्री शादशुदा है तथा दूसरा पुत्र राजू नशे का भयंकर आदी है। सोमवार रात भी उसने शराब पी रखी थी और अपने पिता ओम प्रकाश से झगड़ा कर रहा था। अब उन दोनों की मृत्यु कैसे हुई यह जांच का विषय है। दोनों के शव संदिग्ध अवस्था में थे पुलिस जांच कर रही है जांच के बाद ही घटना की जानकारी प्राप्त होगी।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।